राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 59
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
बुधवार 28 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 युवराज मामले में 3 आरोपियों की हिरासत बढ़ी | पेज 4 रामपुर में मंगेतर के 3 टुकड़े करने वाले को उम्रकैद | पेज 6 जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलधि, इस मुकाम तक पहुंचने

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के सीलमपुर में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में मंगलवार को गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक घटना की जानकारी शाम 5.29 बजे गुरु तेग बहादुर अस्पताल से मिली, जहां घायल तारिक हसन को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, तारिक दिन में अपने दोस्त के पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उस इलाके में आया था। अंतिम संस्कार के बाद, दोपहर 3 बजे, वह अपने दोस्त सद्दाम के साथ एक बिरयानी की दुकान पर गया। खाना खाने के बाद, सद्दाम हाथ धोने के लिए दुकान के अंदर गया, जबकि तारिक उसके पीछे खड़ा रहा।

मनाली में अर्धनग्न होकर बर्फ पर घूमी लेडी इन्फ्लुएंसर

मनाली। हिमाचल प्रदेश में एक महिला के वायरल वीडियो ने बवाल खड़ा कर दिया है। जिसे मशहूर पर्यटन स्थल मनाली का बताकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया। इसमें महिला रील बनाती नजर आ रही है। बर्फ के बीच रील शूट करने के लिए वह पहले साड़ी उतारती है और फिर छोटे कपड़ों में वीडियो रिकॉर्ड करती दिख रही है। जिसे लोग देव संस्कृति और हिमाचल की गरिमा के खिलाफ बता रहे हैं और तीखी प्रतिक्रिया जाहिर कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग महिला के समर्थन में भी टिप्पणी कर रहे हैं।

हैप्पी मॉर्निंग

पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे
पिंटू- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है
पत्नी- क्या गलतफलमी?
पिंटू- यही, कि मैं सो रहा था ...तब से वाकई में पिंटू की नींद गायब है।

शायरी

जो दिल को है ख़बर कहीं
मिलती नहीं ख़बर
हर सुब्ह इक अज़ाब है अख़बार देखना

अर्थसार

सेंसेक्स:
81,857.48
+319.77 (0.39%)
निफ्टी:
25,175.40
+126.75

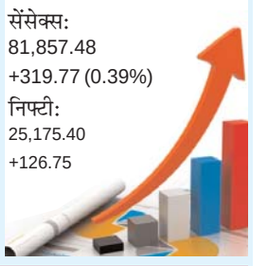

मौसम

अधिकतम : 18 डिग्री से0
न्यूनतम : 08 डिग्री से0
सूयोदय गुरुवार : 7 : 20
सूर्यास्त बुधवार : 5 : 54

यूजीसी के नए नियमों का विरोध

यूपी में सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजीं, सुप्रीम कोर्ट में याचिका; सरकार बोली- कोई भेदभाव नहीं होगा

नई दिल्ली। देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों को लेकर विरोध तेज है। मंगलवार को नई दिल्ली में जीसी हेडक्वार्टर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई।

प्रदर्शनकारियों को कैंपस के अंदर घुसने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में बैरिकेडिंग की गई।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ, रायबरेली, वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज और सीतापुर में छात्रों, युवाओं और कई संगठनों ने जगह-जगह प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। रायबरेली में भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह और गौरक्षा दल के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजी हैं।

यूपी में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने नए नियमों के विरोध में इस्तीफा दे दिया।

यूजीसी के नए नियमों को लेकर कुमार विश्वास ने तंज कसते हुए एक्स पोस्ट में लिखा- चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा 'सवर्ण' हूं... मेरा रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मामले पर कहा कि किसी को भी इसका गलत इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं होगा। किसी के भी साथ अत्याचार या भेदभाव नहीं होगा। वहीं नियम के खिलाफ वकील विनीत जिंदल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इसमें नियम पर रोक, सभी छात्रों के लिए समान अवसर, इक्विटी हेल्पलाइन सुविधाएं देने की मांग की गई है।

यूजीसी के नए नियमों का विरोध क्यों?

यूजीसी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026। इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं।

ये टीमें खासतौर पर SC, ST और OBC छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है।

आलोचकों का कहना है कि सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं।

जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में भरा था 2 टन बारूद

खंडवा। खंडवा पुलिस ने अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। मौके से करीब दो टन बारूद और रस्सियां मिली हैं। एसपी मनोज कुमार राय ने कहा- अवैध फैक्ट्री सम्यक गोल्ड कॉलोनी के क्लब हाउस की छत पर चलाई जा रही थी। पुलिस जिस वक्त वहां पहुंची, विस्फोटक शिफ्ट करने की तैयारी चल रही थी। मौके पर एक पिकअप वाहन खड़ा था। उसके ड्राइवर को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में ड्राइवर ने बताया है कि फैक्ट्री यूथ कांग्रेस में पूर्व प्रदेश प्रवक्ता प्रोफेसर इमरान परयानी की है। एसपी ने कहा- यह कॉलोनी करीब 15 साल पहले पूर्व मंत्री हीरालाल सिलावट की जमीन पर काटी गई थी। उस समय इसे हाईटेक स्तर पर डेवलप किया गया था, लेकिन फिलहाल यह खंडहर हालत में है। कॉलोनी में बिजली लाइन तक नहीं है।

भारत-यूरोपियन यूनियन में 18 साल बाद ट्रेड डील

इम्पोर्टेड लग्जरी कारों पर टैरिफ 110 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत, प्रीमियम शराब पर 150 प्रतिशत की जगह 20 प्रतिशत टैक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच 18 साल की लंबी बातचीत के बाद मंगलवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो गया है। भारत और यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने मंगलवार को 16वें भारत-ईयू समिट के दौरान इसका ऐलान किया।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस समझौते को 2027 में लागू किए जाने की संभावना है। इस डील के बाद भारत में इम्पोर्ट होने वाली यूरोपीय कारें जैसे कि BMW, मर्सिडीज पर लगने वाले टैक्स को 110 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

इसके अलावा भारत में यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर टैक्स कम हो सकता है। यूरोपीय देशों की शराब पर अभी 150 प्रतिशत टैरिफ लगता है। इसे घटाकर 20-30 प्रतिशत किया जाएगा।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि श्व दूसरी सबसे बड़ी। दोनों मिलकर वैश्विक जीडीपी का करीब 25 प्रतिशत और दुनिया के कुल व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखते हैं।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के मां-बाप गिरफ्तार

मुक्तसर कोर्ट में पेश, पुलिस रिमांड मिला, अमृतसर के होटल में थे

मुक्तसर साहिब। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के हत्याकांड में मास्टरमाइंड गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के माता-पिता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी रात 10 बजे श्री मुक्तसर साहिब की पुलिस ने 2 साल पुराने मामले में की है। गैंगस्टर के माता-पिता अमृतसर में गोल्डन टेंपल के पास होटल में ठहरे हुए थे। गिरफ्तारी के बाद पिता शमशेर सिंह और माता पीरतपाल कौर को श्री मुक्तसर साहिब कोर्ट में पेश किया गया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नीरज कुमार सिंगला ने दोनों को 30 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। दोनों की पेशी का वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, 2 साल पहले शिक्षक से 50 लाख रुपए रंगदारी मांगी गई थी। उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। तीन दिसंबर 2024 को पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। मुक्तसर पुलिस के मुताबिक गैंगस्टर के माता-पिता फिरौती की रकम से गुजारा कर रहे थे।

योगी के सपोर्ट में अयोध्या जीएसटी डिप्टी कमिश्नर का इस्तीफा

अयोध्या। यूपी में अयोध्या के जीएसटी डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार ने मंगलवार दोपहर क्रमोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीएम योगी के समर्थन में इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा- शंकराचार्य की सीएम पर की गई टिप्पणी से मुझे बहुत बुरा लगा। इससे मैं आहत हूं। मुख्यमंत्री का अपमान मैं अब बर्दाश्त नहीं कर सकता। 48 साल के प्रशांत कुमार ने इस्तीफे के बाद पत्नी से फोन पर बात की और फूट-फूटकर रोने लगे। कहा- जिसका नमक खाते हैं, उसका सिला अदा करना चाहिए। हालांकि इस्तीफे के बाद वे विवादों में आ गए। वजह- एक सर्टिफिकेट है। प्रशांत कुमार के भाई विश्वजीत सिंह ने उन पर पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- एसिड अटैक पर केंद्र सख्त कानून बनाए

आरोपियों को जब तक दर्दनाक सजा नहीं होगी, ऐसे अपराध नहीं रुकेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एसिड अटैक मामलों में दोषियों के कड़ी सजा की जरूरत पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- जब तक सजा आरोपी के लिए दर्दनाक नहीं होगी, ऐसे अपराध रुकने वाले नहीं हैं।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस आर. महादेवन, जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा- यहां सुधारवादी दंड सिद्धांत की कोई जगह नहीं है। ऐसे मामलों में दहेज हत्या की तरह आरोपी को ही अपनी बेगुनाही साबित करनी पड़ सकती है।

बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार कानून बदलने पर विचार करे। 4 हफ्ते में सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश एसिड अटैक मामलों से जुड़े आंकड़े दें। इनमें साल दर साल दर्ज मामलों की संख्या, कोर्ट में उनकी स्थिति और पीड़ितों के पुनर्वास से जुड़े कदमों की जानकारी शामिल करे।

सीजेआई ने सवाल किया कि दोषियों की संपत्ति जब्त कर पीड़ितों को मुआवजा देने पर क्यों नहीं विचार किया जा सकता।

बेंच ने हरियाणा की शाहीना मलिक की दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। शाहीना मलिक खुद एसिड अटैक सर्वाइवर हैं।

कोर्ट ने यह जानकारी भी मांगी

हर एसिड अटैक पीड़िता की पढ़ाई, नौकरी, शादीशुदा या अविवाहित होने की स्थिति
इलाज की हालत और इलाज पर अब तक या आगे होने वाले खर्च का डिटेल
पीड़ितों के लिए चल रही पुनर्वास योजनाओं की जानकारी
जबरन एसिड पिलाने के मामलों की अलग से डिटेल मांगी गई

जम्मू कश्मीर के सोनमर्ग में एवलांच

किसी के हताहत होने की खबर नहीं, कई होटलों को नुकसान; लगातार बर्फबारी जारी

सोनमर्ग। जम्मू कश्मीर के सोनमर्ग में लगातार जारी बर्फबारी से मंगलवार रात एवलांच आया। एवलांच में फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है लेकिन कई होटलों को नुकसान पहुंचा है।

अधिकारियों ने बताया कि हिमस्खलन मंगलवार रात 10.12 बजे मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में सोनमर्ग रिजॉर्ट में हुआ। बचाव टीमों को घटनास्थल पर भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

जम्मू कश्मीर और अन्य पहाड़ी राज्यों में लगातार बर्फबारी जारी है। इसके देखते हुए मौसम विभाग ने एवलांच का अलर्ट जारी किया था।

जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गंदरबल, अनंतनाग, बांदीपोरा, बारामूला, कुलगाम और कुपवाड़ा सहित कश्मीर के ग्यारह जिलों और जम्मू क्षेत्र के डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी और रामबन के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की थी।

लगातार बर्फबारी से 58 फ्लाइट्स कैंसिल

मंगलवार को भारी बर्फबारी के कारण जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद रहा। इसके साथ श्रीनगर एयरपोर्ट पर सभी फ्लाइट्स रद्द होने से लोगों को काफी परेशानी हुई।

इमरजेंसी सेवाओं और सशस्त्र बलों की आवाजाही में भी इससे रुकावट आई। अधिकारियों ने बताया कि बचाव और सड़क साफ करने का अभियान जारी लगातार जारी है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर, आने वाली 29 और जाने वाली 29 फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बर्फबारी के कारण रनवे ऑपरेशन के लिए असुरक्षित हो गया था।

पूर्णिया में कारोबारी की गोली मारकर हत्या

पूर्णिया। पूर्णिया में बदमाशों ने मंगलवार को कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान सूरज बिहारी उर्फ सूरज यादव की रूप में हुई है। वे शहर के सबसे बड़े मक्का गोदाम के मालिक थे। सूरज हमेशा बंदूकधारी गार्ड के साथ चलते थे। जिस वक्त गोली मारी गई उस वक्त भी उनके साथ गार्ड मौजूद था। कार से उतरने के दौरान बदमाशों ने सूरज पर अंधाधुंध 5 राउंड फायरिंग कीं। इनमें 3 गोलियां सूरज को लगीं। उनके साथ मौजूद प्राइवेट गार्ड और फुफेरे भाई बचाने दौड़े तो उन पर भी फायरिंग की गई। दोनों जान बचाकर भागे। घटना मरंगा थाना क्षेत्र के नेवालाल चौक के पास की है। परिवार ने नेवालाल चौक के रहने वाले 2 भाई ब्रजेश सिंह और नंदू सिंह पर हत्या का आरोप लगाया है। दोनों स्मैक का गिरोह चलाते हैं। वारदात के बाद से दोनों फरार हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक में घुसी कार, चार लोगो की मौत

- 12 किमी तक गाड़ी घिसटती चली गई, उज्जैन महाकाल के दर्शन कर नोएडा लौट रहे थे

दौसा। दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से तेज रफ्तार कार घुस गई। हादसे में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। ट्रक में कार बुरी तरह फंस गई थी। इसकी वजह से करीब 12 किमी तक ट्रक के साथ कार घिसटती चली गई।

गाड़ी में शव भी फंस गए थे। उन्हें निकालने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। हादसा पापड़दा इलाके में एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर-193 के पास मंगलवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ।

मरने वाले सभी नोएडा के रहने वाले

नांगल राजावतान (दौसा) के डीएसपी दीपक मीणा ने बताया- कार में 5 श्रद्धालु सवार थे। सभी उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर नोएडा लौट रहे थे। मृतकों में नोएडा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले राहुल गुप्ता (35), पारस अग्रवाल (35), प्रिंस गुप्ता (23) और विक्रम सिंह (30) शामिल हैं। कार की सबसे पीछे की सीट पर बैठे बृजमोहन गुप्ता को मामूली चोटें आई हैं। डीएसपी दीपक मीणा ने बताया- हरियाणा नंबर की कार लालसोट (दौसा) से दिल्ली की ओर जा रही थी। इसी दौरान आलूदा गांव के पास कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। तेज गति के कारण कार ट्रक के पीछे फंस गई थी। कार के आगे का हिस्सा चकनाचूर हो गया। उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। पुलिस और एक्सप्रेसवे की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद कार को ट्रक से अलग किया गया और शवों को बाहर निकाला गया।

पश्चिम बंगाल में दो गोदामों में आग, 8 लोगो की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले में सोमवार सुबह दो गोदामों में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई। कई मजदूर लापता हैं।

पुलिस के मुताबिक, आग सुबह करीब 3 बजे लगी। दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब 7 घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 10 बजे आग पर काबू पाया। हालांकि गोदाम के कुछ हिस्सों में देर शाम तक धुआं और आग की लगी रही।

शाम करीब 5 बजे तीन शव मिले। बाद में तलाशी के दौरान पांच और शव बरामद किए गए। बारुईपुर पुलिस जिला एसपी शुभेंदु कुमार ने बताया कि सभी शव इतनी बुरी तरह झुलसे हैं कि पहचान संभव नहीं है।

चार मजदूरों ने भागकर जान बचाई

शुरुआत में 6 लोगों के लापता होने की सूचना मिली थी, लेकिन परिजनों का कहना है कि यह संख्या 10 से ज्यादा हो सकती है। गोदाम में एक डेकोरेटिंग कंपनी और एक लोकप्रिय मोमो चेन के मजदूर काम करते थे, जो वहीं अस्थायी कमरों में रहते थे।

चार मजदूर ने समय रहते फैक्ट्री से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। मृतक और लापता मजदूर पुरबा मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना जिलों के रहने वाले हैं।

हाउस अरेस्ट | **शंकराचार्य के सपोर्ट पर सस्पेंड किया, डीएम से मिलने पहुंचे तो एंट्री नहीं दी**

इस्तीफा देने वाले बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट हाउस अरेस्ट

एजेंसी

बरेली। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान में इस्तीफा देने वाले बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट को हाउस अरेस्ट किया गया है।

अलंकार अग्निहोत्री ने गेट के अंदर ही खड़े होकर मीडिया से कहा- मुझे सरकारी आवास से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा। एडीएम कंपाउंड में मिनी जेल के तौर पर रखा गया है। 3 बजे के बाद मुझे किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया जा सकता है।

अफसर ने कहा- हमारे संपर्क में कुछ सवर्ण अधिकारी हैं, जिनसे मुझे ये जानकारी मिली है। हमारे फोन और जो हमारे संपर्क में अधिकारी हैं। उन सभी के नंबर सर्विलांस पर लगा दिए गए हैं।

इससे पहले शासन ने अलंकार को इस्तीफा देने पर सस्पेंड कर दिया था। उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

हालांकि, अब तक इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ। माना जा रहा कि जांच पूरी होने के बाद ही सरकार इस्तीफा स्वीकार करेगी।

फिलहाल, अग्निहोत्री को शामली अटैच किया गया है। बरेली कमिश्नर को मामले की जांच सौंपी गई है। मजिस्ट्रेट से सरकारी गाड़ी वापस ले ली गई है। वह मंगलवार सुबह 11 बजे डीएम से मिलने कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया।

वे 2 घंटे बाहर धरने पर बैठे रहे। सुबह से वे दो बार कलेक्ट्रेट से आवास जा चुके हैं।

मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने कहा- इस्तीफा वापस नहीं लूंगा, सरकार से मोहभंग हो गया। अब मुझे आगे क्या करना है, ये समाज तय करेगा। यूपी में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए।

देर रात शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने सिटी मजिस्ट्रेट से फोन पर बात की।

कहा- पूरा सनातनी समाज आपसे प्रसन्न है। जो पद आपको सरकार ने दिया था, हम उससे बड़ा पद धर्म के क्षेत्र में आपको देंगे।

अलंकार अग्निहोत्री ने गणतंत्र दिवस पर इस्तीफा दिया था। इसकी वजह त्रष्ट का नया कानून और अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों की पिटाई बताई थी।

उन्होंने 5 पेज का लेटर भी लिखा था। इसके बाद शाम साढ़े 7 बजे अग्निहोत्री डीएम अविनाश सिंह से मिलने उनके आवास पहुंचे थे।

बाहर आने पर सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा- मुझे डीएम आवास में 45 मिनट बंधक बनाकर रखा गया। एसएसपी के कहने पर छोड़ा गया। हालांकि, एडीएम ने आरोपों को गलत करार दिया।

रात 11 बजे अग्निहोत्री ने सरकारी आवास खाली कर दिया। वे बरेली में ही हैं और अपने परिचित के यहां रुके हैं।

संपादकीय

नन्हे सपनों पर भारी पड़ता किताबों का बोझ

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

आज का बच्चा कल का भविष्य है, यह बात हम सब मानते हैं। लेकिन क्या हम यह भी देख पाते हैं कि उस नन्हे मन में कितने सपने दबे हुए हैं? एक छोटा सा बच्चा जो सुबह उठते ही खिलखिलाता है, पार्क में दौड़ता है, दोस्तों के साथ खेलता है—उसकी आँखों में अनगिनत सपने चमकते हैं। वह कभी पायलट बनना चाहता है, कभी डॉक्टर, कभी ??, कभी तो बस खुश रहना चाहता है। लेकिन जैसे-जैसे कक्षा बढ़ती है, वैसे-वैसे किताबों का बोझ भी बढ़ता जाता है। नन्हे सपनों पर भारी पड़ता किताबों का बोझ—यह सिर्फ एक वाक्य नहीं, आज के अधिकांश भारतीय बच्चों की हकीकत है।

भारत में शिक्षा प्रणाली प्रतिस्पर्धा की भट्टी में तप रही है। तीन-चार साल की उम्र से ही बच्चे प्री-स्कूल में दाखिल हो जाते हैं। वहाँ से शुरू होता है रट्टा मारने का सिलसिला—एबीसीडी से लेकर एआईईईई, नीट तक। माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा टॉप करे, आईआईटी-एआईएमएस में जाए, अच्छी नौकरी पाए। लेकिन इस दौड़ में बच्चे का बचपन कहीं खो जाता है। सुबह स्कूल, शाम को ट्यूशन, रात को होमवर्क—कहाँ है खेलने, सपने देखने का समय? NCRB के आंकड़ों के अनुसार, 2013 में जहां छात्रों की आत्महत्या के 8,423 मामले थे, वहीं 2023 में यह संख्या बढ़कर 13,892 हो गई। पिछले एक दशक में 65त्न की बढ़ोतरी! परीक्षा में असफलता, पढ़ाई का दबाव—ये कारणों में सबसे ऊपर हैं।

एक छोटा सा उदाहरण लीजिए। कोटा, राजस्थान—कोचिंग की राजधानी। हर साल लाखों बच्चे वहाँ इंजीनियरिंग-मेडिकल की तैयारी के लिए आते हैं। 15-16 घंटे पढ़ाई, कोई खेल नहीं, कोई दोस्ती नहीं, बस किताबें और टेस्ट सीरीज। 2023 में अकेले कोटा में 29 छात्रों ने आत्महत्या की। क्या वजह? परीक्षा का डर, माता-पिता की उम्मीदें, असफल होने का भय। बच्चा सोचता है—अगर मैं फेल हो गया तो घरवालों का क्या होगा? समाज क्या कहेगा? यह बोझ इतना भारी हो जाता है कि वह अपनी जान तक दे देता है।

पढ़ाई का यह दबाव सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं। ग्रामीण इलाकों में भी माता-पिता चाहते हैं कि बच्चा पढ़-लिखकर गरीबी से निकले। लेकिन सुविधाओं की कमी, अच्छे शिक्षकों का अभाव और फिर भी अच्छे नंबर लाने की उम्मीद—यह सब बच्चे के मन पर और बोझ डालता है। कई सर्वे बताते हैं कि भारत में हर 3 में से 1 बच्चा तनाव में है। कॉलेज स्टूडेंट्स पर हुए एक अध्ययन में 70 प्रतिशत युवा एंग्जाइटी और 50 प्रतिशत डिप्रेशन से जूझ रहे हैं। सोशल मीडिया पर सफलता की तस्वीरें देखकर बच्चा खुद को कमतर समझने लगता है।

इस बोझ के कई कारण हैं—हमारी शिक्षा प्रणाली जो रटने पर आधारित है, माता-पिता की तुलनात्मक सोच (शर्मा जी का बेटा 99 प्रतिशत लाया, तू क्यों नहीं?), कोचिंग संस्थानों का व्यापार और समाज का वह दबाव कि बेटा, डॉक्टर-इंजीनियर बनो, वरना जिंदगी बर्बाद। लेकिन क्या सफलता सिर्फ नंबरों में है? क्या सपने सिर्फ करियर में सिमट जाते हैं?

समय आ गया है कि हम बदलाव लाएँ। माता-पिता को समझना होगा कि बच्चे की खुशी सबसे महत्वपूर्ण है। स्कूलों में सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि खेल, कला, संगीत, जीवन कौशल सिखाए जाएँ। काउंसलिंग सिस्टम मजबूत हो, मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुली बात हो। सरकार को नीट-जेईई जैसी परीक्षाओं में सुधार लाना चाहिए, ताकि एक परीक्षा जिंदगी तय न करे। बच्चे को सपने देखने की आजादी मिलनी चाहिए, न कि किताबों के बोझ तले दब जाना चाहिए।

याद रखिए, एक बच्चा जब खुश होता है, तब वह बेहतर सीखता है। उसकी मासूम हँसी, उसकी कल्पनाएँ, उसके छोटे-छोटे सपने—यही समाज का असली भविष्य हैं। अगर हम इन पर किताबों का बोझ डालते रहे, तो हम न सिर्फ बच्चों का बचपन छीन रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी का आत्मविश्वास भी। आइए, नन्हे सपनों को पंख दें, बोझ नहीं। क्योंकि सपने उड़ान भरते हैं, दबाव में नहीं।

खौफनाक पढ़ाई

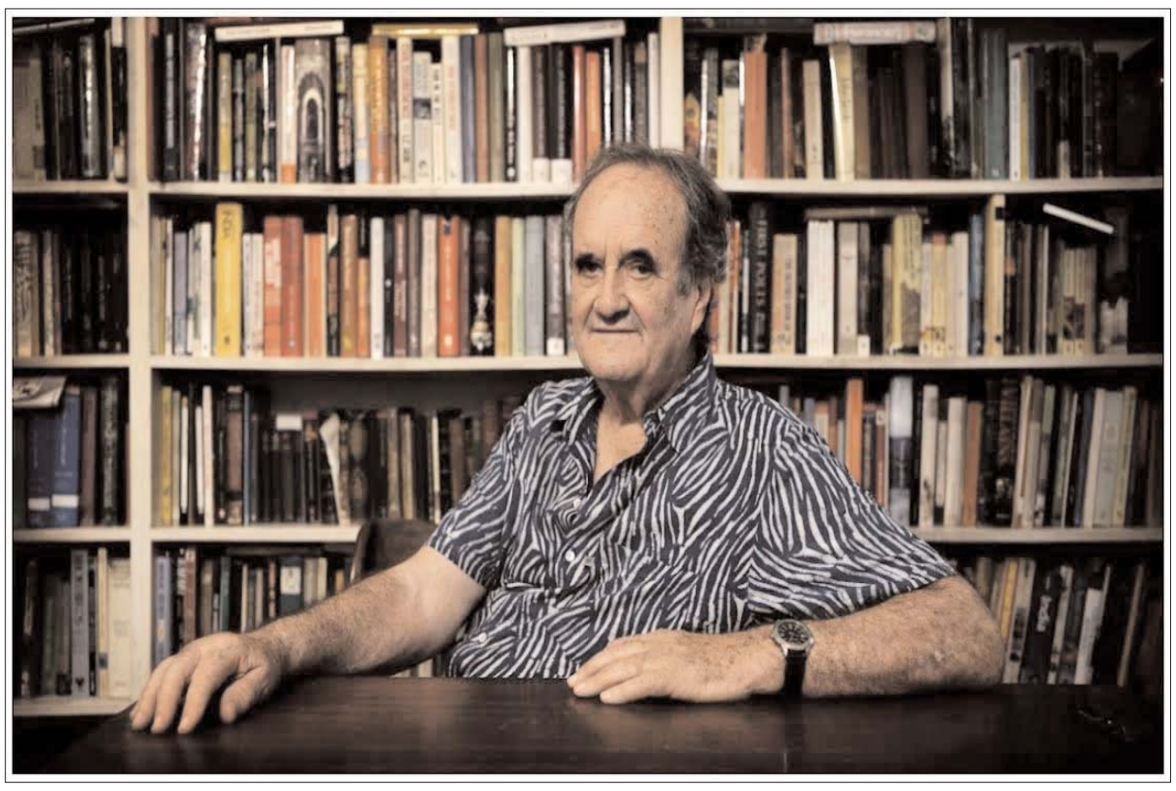

पिछले दिनों फरीदाबाद में ठीक से पढ़ाई न कर सकने वाली बच्ची की पिता द्वारा पिटाई करने से हुई मौत की खबर ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। यह विश्वास करना कठिन है, कोई पिता इतना क्रूर हो सकता है कि महज गिनती न सीख पाने के कारण बच्ची की जान ले ले। यदि इस घटना के पीछे कोई परोक्ष कारण नहीं है तो निश्चय ही यह घटना किसी भी सभ्य समाज के लिये कलंक ही कही जाएगी। यह शर्म की बात ही है कि इस ज्ञान की सदी में किसी बच्ची की पिता के हाथों पढ़ाई के नाम पर मौत हो जाए। यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी में भी हमारे समाज में मानसिक ग्रंथि की वह गांठ नहीं खुल पाई है, जो मानती है कि डर व मारपीट से बच्चों को सिखाया जा सकता है। ऐसी तमाम घटनाएं आज भी हमारे स्कूलों व घरों तक में सामने आती हैं। यदि स्कूल या कोचिंग में किसी बच्चे-बच्ची के साथ पढ़ाई के नाम पर आक्रामक व्यवहार होता है तो उम्मीद की जाती है कि परिवार उसके साथ मुश्किल समय में खड़ा होगा। लेकिन जब घर में माता-पिता ही हिंसक व्यवहार करने लगें तो मासूम किसके भरोसे रहेगा... कहने को देश में बच्चों के साथ होने वाले किसी भी हिंसक व्यवहार को रोकने के लिये तमाम तरह के प्रावधान सुरक्षा कवच उपलब्ध कराते हैं। लेकिन जब प्रवर्तन एजेंसियां ही उदासीन रहेंगी तो समस्या का समाधान संभव ही नहीं है। पहले तो स्कूलों में ही ऐसे मामलों पर पर्दा डालने की कोशिश की जाती है, फिर यदि मामला पुलिस या संबंधित विभाग के संज्ञान में आता भी है तो उसे रफा-दफा करने के प्रयास तेज हो जाते हैं। ऐसे मामलों में शिक्षक अभिभावक संगठन की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। जिसमें अकसर शिक्षण संस्था के सुर में बोलने वाले अभिभावकों को ही रखा जाता है। आज भी यह एक गंभीर समस्या है और इसके गंभीर समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है।

यह हमारे समाज की विडंबना ही कही जाएगी कि आज भी यह सोच बलवती है कि बच्चों के साथ सख्त व्यवहार से उनकी पढ़ने-लिखने की क्षमता में वृद्धि होती है। जबकि हकीकत यह है कि किसी भी आक्रामक व्यवहार से बच्चों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। देश व दुनिया में हुए तमाम शोध व अध्ययन बताते हैं कि बच्चों के साथ सख्त व आक्रामक व्यवहार किए जाने से बच्चों की एकाग्रता व याद ?दाश्त पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उनकी निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। जिसका नकारात्मक असर यह होता है कि बच्चे हीनभावना से ग्रसित हो जाते हैं। परिणाम स्वरूप वे अपनी कक्षा में पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं। कालांतर यह भय व कुंठा जीवनभर उनका पीछा करती है। उनका आत्मविश्वास डिग जाता है। तब वे जीवन की स्पर्धा में भी दब्बू बनकर रह जाते हैं। यह भी विडंबना ही है कि आज भी बच्चों पर पढ़ाई का बोझ थोपने से पहले हमारे यहां किसी तरह का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण नहीं होता है कि बच्चे की अभिरुचि किन विषयों में है। सही मायनों में हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। कुदरत उसकी रचना किसी खास मकसद के लिये करती है। लेकिन मां-बाप व शिक्षक पहचान नहीं पाते कि उसका रुझान किस दिशा में है। यदि समय रहते बच्चे की उस प्रतिभा को पहचाना जा सके और उस विषय व दिशा में उसे प्रोत्साहित किया जाए, तो वे अप्रत्याशित रूप से किसी भी क्षेत्र में शिखर की सफलता हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ बच्चे कई तरह के जन्मजात व आनुवंशिक रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं, जो उनकी सामान्य पढ़ाई में बाधक हो सकता है।

भरोसे एवं भारत की आवाज थे पत्रकार मार्क टुली

-ललित गर्ग-

भारत की समकालीन इतिहास-यात्रा में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल घटनाओं का वृत्तांत नहीं लिखते, बल्कि समय की चेतना में घुल-मिलकर स्वयं इतिहास का हिस्सा बन जाते हैं। सर विलियम मार्क टुली, जिन्हें दुनिया भर में स्नेह और सम्मान से 'मार्क टुली' कहा गया, ऐसे ही विरल पत्रकार थे। उनका निधन केवल एक वरिष्ठ पत्रकार का जाना नहीं है, बल्कि उस पत्रकारिता-दृष्टि का अवसान है, जिसमें सत्य सनसनी से ऊपर और संवेदना आंकड़ों से अधिक महत्त्वपूर्ण होती थी।

बीबीसी रेडियो की वह गूंजती हुई पंक्ति-'दिस इज मार्क टुली रिपोर्टिंग फ्रॉम दिल्ली', दशकों तक भारतीय उपमहाद्वीप में भरोसे, प्रामाणिकता और संतुलन का पर्याय बनी रही। मार्क टुली एक विदेशी पत्रकार भर नहीं थे, वे भारत की आत्मा के स्थायी प्रवासी थे, जिनमें भारतीयता रची-बसी थी। उनका भारत से रिश्ता किसी वीजा, नियुक्ति या करियर-रणनीति का परिणाम नहीं था, बल्कि वह रक्त और मिट्टी का संबंध था।

24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता के टॉलीगंज में जन्मे टुली ने ब्रिटिश राज के अंतिम दौर का भारत देखा, जिया और महसूस किया।

एक समृद्ध ब्रिटिश परिवार में जन्म लेने के बावजूद दार्जिलिंग के बोर्डिंग स्कूलों और भारतीय जनजीवन की विविध छवियों ने उनके भीतर एक ऐसी आत्मीयता एवं संस्कार बो दिया, जो जीवन भर पुष्पित-पल्लवित होती रही। नौ वर्ष की आयु में जब वे इंग्लैंड गए, तब भी भारत उनके भीतर जीवित रहा-स्मृतियों में, संवेदनाओं में और दृष्टि में।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में धर्मशास्त्र का अध्ययन करते समय उन्होंने पादरी बनने का विचार किया था।

यह तथ्य अपने-आप में बहुत कुछ कहता है, क्योंकि सत्य की खोज, नैतिक विवेक और मानवीय करुणा उनके व्यक्तित्व की मूल धुरी थीं। किंतु नियति ने उन्हें चर्च की सीमित दीवारों से बाहर निकालकर एक ऐसे मंच पर खड़ा कर दिया, जहां वे पूरी मानवता से संवाद कर सकते थे। पत्रकारिता उनके लिए पेशा नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व थी।

जब वे बीबीसी के संवाददाता के रूप में भारत लौटे, तो उन्होंने इसे एक असाइनमेंट नहीं बल्कि अपने घर लौटने जैसा अनुभव किया। मार्क टुली की पत्रकारिता की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भारत को पश्चिमी चश्मे से नहीं देखते थे। वे सत्ता के गलियारों से अधिक गांव की चौपाल, मंदिर-मस्जिद के आंगन, खेतों की मेड़ और आम आदमी की चिंता को महत्त्व देते थे।

आपातकाल हो या इंदिरा गांधी की राजनीति, सिख विरोधी दंगे हों या बाबरी मस्जिद विध्वंस, पंजाब का उग्रवाद हो या कश्मीर की पीड़ा-मार्क टुली ने हर विषय को संतुलन, गहराई और मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के सामने रखा।

वे घटनाओं के पीछे छिपी सामाजिक और सांस्कृतिक परतों को समझने की कोशिश करते थे, इसीलिए उनकी रिपोर्टिंग तत्कालीन शोर-शराबे से ऊपर उठकर स्थायी संदर्भ बन गई।

आज के आपाधापी और टीआरपी-केंद्रित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दौर में, जहाँ खबर से ज्यादा शोर और तथ्य से ज्यादा त्वरित प्रतिक्रिया को महत्व दिया जाता है, मार्क टली की पत्रकारिता एक उजली कसौटी बनकर सामने आती है।

टीवी स्टूडियो की तीखी बहसों, चीखती हेडलाइनों और सतही विश्लेषण के उलट, मार्क टली ने यह सिद्ध किया कि शांत, संयमित और तथ्यपरक संवाद भी उतना ही प्रभावशाली होता है बल्कि अधिक विश्वसनीय होता है।

उनकी पत्रकारिता दिल्ली के सत्ता-केंद्र तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह भारत की आत्मा-गाँव, कस्बे, आम जन और उनकी पीड़ा से जुड़ी हुई थी।

आज जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अक्सर सत्ता, बाज़ार और सनसनी के दबाव में अपनी विश्वसनीयता खोता दिख रहा है, तब मार्क टली की शैली यह सिखाती है कि पत्रकारिता का असली धर्म प्रश्न पूछना, सच को धैर्य से समझना और उसे बिना शोर के, पूरे संदर्भ के साथ प्रस्तुत करना है।

उनका जीवन आज के टीवी मीडिया के लिए एक मौन लेकिन सशक्त संदेश है कि भरोसे की आवाज़ ऊँची नहीं, सच्ची होती है।

मार्क टुली की सबसे बड़ी देन यह थी कि उन्होंने भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया।

वे मानते थे कि भारत किसी एक विचार, एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं बनता, बल्कि यहां की बहुलता ही इसकी आत्मा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई-ग्रामीण-शहरी, गरीब-अमीर, इन सबके बीच बहता हुआ संवाद ही भारत की असली पहचान है। जब दुनिया के कई हिस्से भारत को केवल गरीबी, अव्यवस्था या अराजकता के चश्मे से देखते थे, तब मार्क टुली ने भारत की सहिष्णुता, आध्यात्मिकता और जीवटता को रेखांकित किया। उन्होंने यह दिखाया कि यह देश विरोधाभासों के बावजूद नहीं, बल्कि उन्हीं के साथ जीना जानता है।

मार्क टुली की आवाज रेडियो के माध्यम से करोड़ों लोगों के घरों तक पहुंचती थी। वह दौर ऐसा था, जब समाचार सुनने के लिए लोग घड़ी देखकर रेडियो ऑन करते थे।

उनकी रिपोर्टिंग में नाटकीयता नहीं, बल्कि सजीवता-ठहराव था। वे कहते थे कि भारत को समझने के लिए अपनी घड़ी उतारकर रखनी पड़ती है। यह कथन केवल समय-संस्कृति की बात नहीं करता, बल्कि उस धैर्य और विनम्रता की ओर संकेत करता है, जिसके बिना भारत जैसे देश को समझा नहीं जा सकता। यही धैर्य उनकी पत्रकारिता में झलकता था।

एक विदेशी होकर भी उन्होंने भारतीयता पर गर्व करना सिखाया, वह भी उस समय, जब हम स्वयं अपनी जड़ों को लेकर संशय में थे।

उनकी पुस्तकों और कार्यक्रमों में भारत केवल खबर नहीं, बल्कि एक जीवंत सभ्यता के रूप में उपस्थित रहता है। 'नो फुल स्टॉप्स इन इंडिया' जैसी कृतियां भारत की निरंतर चलती कहानी को सामने लाती हैं, जहां कोई अंतिम विराम नहीं, केवल प्रवाह है। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की अव्यवस्थाओं की आलोचना भी की, लेकिन वह आलोचना स्नेह और चिंता से भरी होती थी, उपेक्षा या उपहास से नहीं।

ब्रिटिश सरकार द्वारा नाइटहुड और भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना उनके योगदान की औपचारिक स्वीकृति है, लेकिन उनकी असली विरासत वह विश्वास है, जो भारतीय जनता ने उन पर किया। लोग उनकी बात इसलिए मानते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह व्यक्ति भारत को समझता है, उसे चाहता है और उसके साथ ईमानदार है।

आज के दौर में, जब पत्रकारिता तेजी से बदल रही है, प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड में, नई तकनीक के दबाव में हांफ रही है, तब मार्क टुली की कमी और अधिक महसूस होती है। उनका जाना उस युग का अंत है, जहां शब्दों की गरिमा थी और तथ्य पवित्र माने जाते थे।

वे हमें यह सिखाकर गए कि पत्रकारिता सूचना का व्यापार नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। भारत की मिट्टी में जन्मा, विदेशी धरती पर शिक्षित और अंततः भारत की ही गोद में समा जाने वाला यह व्यक्तित्व सदैव स्मृतियों में जीवित रहेगा। वे ऐसे विदेशी साक्षी थे, जिन्होंने भारत को केवल दुनिया की नजरों में ही नहीं, बल्कि भारतीयों की अपनी नजरों में भी नई गरिमा दी।

मार्क टुली का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सीमाएं नागरिकता तय कर सकती हैं, संवेदनाएं नहीं। उनकी आवाज भले ही अब रेडियो पर न गूंजे, लेकिन भारत की आत्मा में उनकी प्रतिध्वनि लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी।

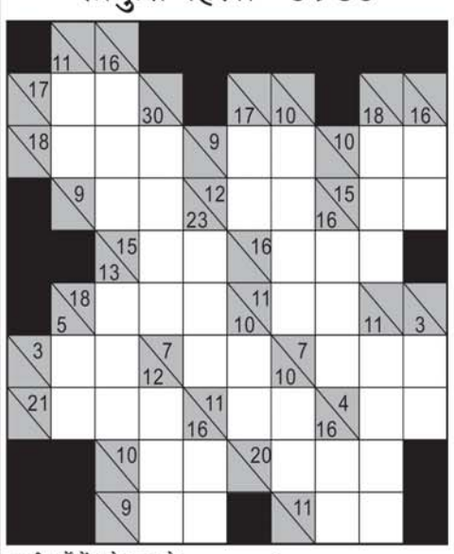

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3783

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो -3782का हल

हंसी के फूव्वारें

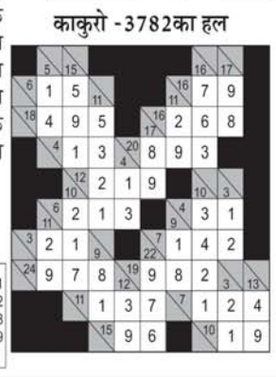

'यार, एक बात समझ में नहीं आई, तुमने अपनी फर्म के लिए विकलाँग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.' दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली, तो पत्नी को जगाते हुए बोली, 'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली, 'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई?' दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

फिल्म वर्ग पहेली- 3783

बायें से दायें:-

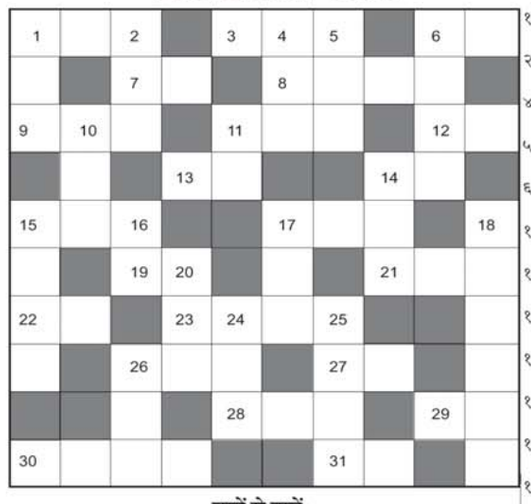

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरुदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक?-२

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 3782

य	हू	दी		अ	नु	रो	ध		क्रो
ह		वा	स्त	व		हि		आँ	धी
दे	व	र		ता	क	त		च	
श	र्त		पा	र	स		स	ल	मा
	मा		पी		क	स	म		ला
जा	न	म		अ		गा	य	ब	
ने		श्रा	र	दा		ई		ना	च
म	ह	ल		ल	की		जो	र	
न			अं	त		जं		स	त्या
	बा	रि	श		जु	ग	नू		ग

सूडोकु -3783

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3782 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 3783

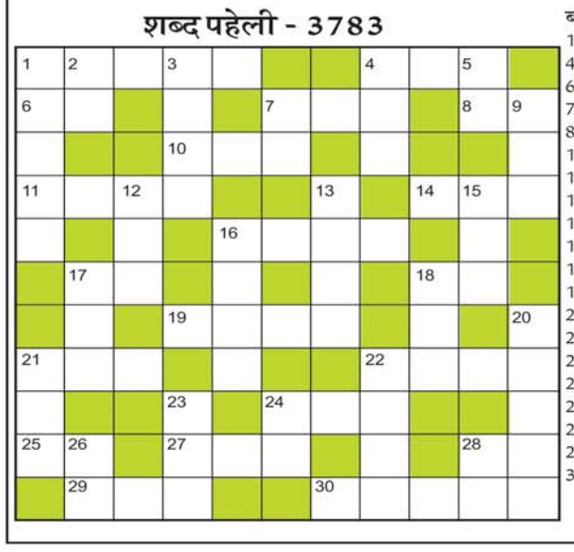

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -3782 का हल

	म	हा	भा	र	त		प	र	वा	ना
त	न		स्क		मा	हि	र		र	ग
न		त	र	क	श		ख	र		वा
ब	न्ध	क			बी	वी		न	ज	र
द		दी		दा	न		फां		ल	
न	ज	र	बं	द		न	सी	ब	वा	ला
	रु		दी		म	न		च		प
श	री	र		जं	हा			प	गा	र
रा		न	म		सा	ग	वा	न		वा
फ	ल		स	ज	ग		च		आ	ह
त	क्ष	शि	ला		र	ह	क	र	ना	

युवराज मामले में 3 आरोपियों की हिरासत बढ़ी

रवि बंसल-सचिन करनवाल की 29 तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नोएडा। नोएडा सेक्टर-150 के पास हुए सॉफ्टवेयर इंजीनियर की दर्दनाक मौत के मामले में मंगलवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने लोटस ग्रीन बिल्डर से जुड़े आरोपी रवि बंसल और सचिन करनवाल की न्यायिक हिरासत 29 जनवरी तक बढ़ा दी, जबकि एमजेड विज टाउन बिल्डर कंपनी के डायरेक्टर अभय कुमार की न्यायिक हिरासत 2 फरवरी तक बढ़ाई गई है।

मामले की सुनवाई दोपहर बाद करीब तीन बजे शुरू हुई। लोटस ग्रीन बिल्डर की ओर से पेश वकील ने अदालत में दलील दी कि जिन दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, वे न तो कंपनी के डायरेक्टर हैं और न ही मुख्य निर्णय लेने वाले अधिकारी। दोनों आरोपी केवल वेतनभोगी कर्मचारी हैं और उन्हें महज मुनीम या जूनियर स्टाफ की तरह काम करने वाला बताया गया।

वकीलों ने कहा कि बिना पूरी जांच के, प्रशासनिक और पुलिस दबाव में आनन-फानन में गिरफ्तारी की गई और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का भी पालन नहीं किया गया। अदालत को बताया गया कि कंपनी की ओर से लगभग 500 पेज की विस्तृत रिपोर्ट पेश की गई है, जिसमें घटनास्थल से जुड़ी तकनीकी जानकारियां, जीपीएस युक्त सैटेलाइट इमेज और पुराने रिकॉर्ड शामिल हैं।

वकीलों का कहना था कि साल 2021 में जिस नाले के टूटने की बात सामने आई, उसी समय से वहां पानी भरने की स्थिति बनी हुई थी। इस संबंध में नोएडा प्राधिकरण को पूर्व में ही सूचना दी गई थी और मरम्मत के लिए फंड भी स्वीकृत हुआ था, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्य नहीं कराया गया। ऐसे में पूरे मामले की जिम्मेदारी केवल छोटे कर्मचारियों पर डालना न्यायसंगत नहीं है।

निचले स्तर के लोगों को जेल में डाला

रिमांड पर बहस के दौरान बचाव पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि पुलिस ने न तो आरोपियों की भूमिका का स्पष्ट आकलन किया और न ही यह बताया कि किस आधार पर उन्हें सीधे जेल भेजा गया।

बड़े बिल्डर, कंपनी के मालिक और शीर्ष पदों पर बैठे लोग अब भी गिरफ्तारी से बाहर हैं, जबकि निचले स्तर के कर्मचारियों को ही आरोपी बनाकर जेल में डाला गया है। इसलिए रिमांड निरस्त कर नियमित जमानत देने की मांग की गई।

रिपोर्ट पढ़ने के लिए मांगा समय

सुनवाई के दौरान जब अदालत ने विवेचक से कंपनी द्वारा दी गई 500 पन्नों की रिपोर्ट के अध्ययन के बारे में सवाल किया तो विवेचक ने कहा कि रिपोर्ट काफी बड़ी होने के कारण उसे पूरी तरह पढ़ने के लिए समय नहीं मिल सका और कुछ और दिन का वक्त चाहिए। इस पर बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने कड़ा विरोध जताया और कहा कि जब विवेचना ही पूरी नहीं हुई है तो गिरफ्तारी किस आधार पर की गई। उन्होंने कहा कि अब तक पुलिस यह स्पष्ट नहीं कर सकी है कि हादसे के लिए आरोपियों की सीधी भूमिका क्या है। विवेचक के इस जवाब से अदालत संतुष्ट नहीं हुई। सीजेएम ने कहा कि पिछली सुनवाई के दौरान भी विवेचक को अगली तारीख पर पूरी तैयारी के साथ आने का निर्देश दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद रिपोर्ट का अध्ययन नहीं किया गया। इस लापरवाही पर अदालत ने विवेचक को कड़ी फटकार लगाई और स्पष्ट किया कि इस तरह की गंभीर घटना में जांच एजेंसी से पूरी तत्परता और जिम्मेदारी की अपेक्षा होती है।

नोएडा में बदला मौसम का मिजाज, ओले गिरे

गरज के साथ बारिश, बढ़ी ठंड, तीन दिन तक छाएंगे बादल

नोएडा। मंगलवार को अचानक मौसम ने करवट ली। नोएडा के कई हिस्सों में सुबह से रुक-रुक कर तेज बारिश हो रही है। दोपहर को ओले भी गिरे हैं। सुबह करीब साढ़े 9 बजे के बाद करीब 12 बजे तेज बारिश हुई। आसपास के इलाकों में बादल छाए हुए हैं। रात तक रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। अगले कुछ दिनों तक बादल छाए रह सकते हैं।

पश्चिमी विक्षोभ का दिखा असर

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में जहां बर्फबारी हो रही है तो नोएडा में बारिश हो रही है। आईएमडी के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की वजह से हल्की बारिश, गरज और तूफानी हवा चल रही है। 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड तक से हवा चल रही है।

तीन दिन तक छाएंगे बादल

आईएमडी के मुताबिक अगले तीन दिनों तक एनसीआर में बादल छाए रहने की संभावना है। बादल छाए रहने के अलावा सुबह के समय धुंध रहने की संभावना भी जताई गई है। न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है जबकि अधिकतम 20 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

अधिकतम तापमान में काफी गिरावट आने से एक बार फिर लोगों को ठंड का सामना करना पड़ेगा।

शार्ट न्यूज

शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जेवर। गौतमबुद्धनगर जनपद में मंगलवार को समग्र शिक्षा अभियान के तहत एक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य निपुण भारत मिशन, बालिका शिक्षा, डिजिटल शिक्षा और डीबीटी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने की। इस कार्यक्रम के तहत जनपद के चारों विकास खंडों में प्रचार-प्रसार दलों द्वारा रैलियां निकाली गईं। इन रैलियों में नुक्कड़ नाटकों, नारों, गीतों और संवादों का उपयोग कर लोगों को सरकारी योजनाओं के लाभों से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नि:शुल्क पुस्तकें, यूनिफॉर्म, मध्याह्न भोजन और डिजिटल संसाधन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों और आमजन को इन नि:शुल्क सुविधाओं, बाल वाटिका और बालिका शिक्षा से संबंधित सरकारी योजनाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विभिन्न विकास खंडों में अधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

ग्रेटर नोएडा में कार-बाइक की टक्कर

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर-सिकंदराबाद रोड पर समसपुर गांव के पास सोमवार देर शाम एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार एक किशोर समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, कस्बा निवासी साकिब अपने 12 वर्षीय भतीजे अरमान के साथ सोमवार देर शाम दनकौर से बिलासपुर कस्बे की ओर जा रहे थे। समसपुर गांव के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार और बाइक दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद कार चालक अपनी गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और क्षतिग्रस्त कार को अपने कब्जे में ले लिया। पीड़ित परिवार ने आरोपी कार चालक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

ग्रेटर नोएडा में रोडरेज विवाद में खूनी संघर्ष

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में सलारपुर रोड पर रविवार रात रोडरेज के विवाद में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष के करीब 20 लोगों ने दूसरे पक्ष के गोदाम में घुसकर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने तोड़फोड़ की, आग लगा दी और फायरिंग भी की। इस घटना में तीन लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मोहल्ला प्रेमपुरी निवासी गोदाम संचालक प्रवीण कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके गोदाम पर काम करने वाले दो युवक सलारपुर रोड स्थित एक होटल से खाना लेकर बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान गुनपुरा गांव निवासी एक कार चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक घायल हो गए। टक्कर के बाद दोनों पक्षों में हाथापाई हुई, जिसे मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह शांत करा दिया था। आरोप है कि कुछ समय बाद वही कार चालक अपने साथ करीब 20 लोगों को लेकर प्रवीण कुमार के गोदाम पर पहुंच गया।

युवती पर धारदार हथियार से हमला

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र के थोरा गांव में एक युवती की नाक काटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। विवाद के दौरान कुछ लोगों ने धारदार हथियार से युवती पर हमला कर उसकी नाक काट दी। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़ित परिवार के सदस्य विजय ने बताया कि घटना उनके घर के पास स्थित एक दुकान पर हुई। उस समय उनकी बेटियां दुकान पर मौजूद थीं। इसी दौरान पड़ोसियों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जब परिवार के लोगों ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उनकी बेटियों और परिवार के अन्य सदस्यों पर हमला कर दिया। हमले में एक बेटी की नाक गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने सोमवार को राकेश, हिमांशु और कपिल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

बारात में मारपीट के चार आरोपी गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में एक बारात में घुसकर मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार, एक सरिया, एक बेसबॉल बैट और एक स्विफ्ट कार बरामद की गई है। यह घटना 24 जनवरी को हुई थी, जब दनकौर थाना क्षेत्र के जगनपुर गांव से दादरी थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में एक बारात गई थी। देशराज अपने परिवार के साथ इस बारात में शामिल थे। बारात चढ़त से पहले जब मिलाई हो रही थी, तभी जगनपुर गांव के लीला परिवार के करीब एक दर्जन लोग गाड़ियों में सवार होकर आए। उन्होंने देशराज (80 वर्ष), उनके बेटे और भतीजों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस मारपीट में कुल आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हमलावरों ने बारात की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आधे दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए भूपेंद्र, हरेंद्र, सुमित और अजीत नामक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सगाई समारोह में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़

ग्रेटर नोएडा। जेवर कस्बे के मोहल्ला सल्लियान में सोमवार की रात सगाई समारोह में हंगामा हुआ। उपद्रवियों ने मारपीट तोड़फोड़ और पथराव किया। दूल्हे ने लूटपाट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मोहल्ला सल्लियान में सोमवार की रात कुंवरपाल के बेटे कुलदीप की सगाई का कार्यक्रम चल रहा था। सगाई में शामिल होने आए मेहमानों ने अपनी गाड़ियां गली में खड़ी कर दीं, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो गया। इसी दौरान मोहल्ले के ही नितिन उर्फ दरिया और शिवकुमार उर्फ शिवा ने रास्ता खाली कराने के लिए वाहन हटाने को कहा।आरोप है कि वाहन न हटाने पर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो जल्द ही गाली-गलौज और विवाद में बदल गई। इसके बाद आरोपियों ने अपने साथियों को बुलाकर कुंवरपाल पक्ष के लोगों के साथ मारपीट की। वाहनों में तोड़फोड़ की, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उपद्रवियों ने जमकर बवाल मचाया। लाइट बंद कर लूटपाट की। आरोपी धमकी देकर भाग गए।

प्राधिकरण में एक हफ्ते बाद कामकाज पटरी पर लौटा

नोएडा। एक सप्ताह बाद नोएडा प्राधिकरण में कामकाज सुचारू रूप से शुरू हो गया। सेक्टर-150 में हुई इंजीनियर की मौत के मामले में एसआईटी की जांच के चलते दफ्तर में आम लोगों के प्रवेश पर रोक थी। अधिकारियों के व्यस्त रहने के कारण कामकाज ठप पड़े थे। मंगलवार को दफ्तर खुलने पर काफी संख्या में लोग पहुंचे और अधिकारियों से भेंटकर अपने काम कराए। इंजीनियर की मौत के मामले के बाद शासन ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की थी।एसआईटी ने एक सप्ताह पहले मंगलवार को प्राधिकरण के दफ्तर में आकर जांच शुरू की। मंगलवार से गुरुवार तक प्राधिकरण दफ्तर में लोगों का प्रवेश दिया गया। इसके बावजूद अधिकारियों के ठीक ढंग से नहीं बैठ पाने के कारण लोगों को परेशानी हुई। शुक्रवार को प्राधिकरण दफ्तर पूरी तरह आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया। शनिवार-रविवार को प्राधिकरण की छुट्टी रहती है। ऐसे में बीते सप्ताह लोगों के प्राधिकरण से जुड़े काम नहीं हो पाए। लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ा। मंगलवार को प्राधिकरण दफ्तर खुलने पर अधिक संख्या में लोग पहुंचे। हालांकि, बारिश की वजह से लोगों को आने में परेशानी हुई। सेक्टर-23 में रहने वाले संजीव खत्री ने बताया कि उन्होंने अपने मकान के नक्शे के लिए आवदेन कर रखा है।

सगाई समारोह में विवाद, वाहनों में तोड़फोड़

जेवर में रास्ता रोकने पर झगड़ा, दो आरोपी गिरफ्तार

जेवर। ग्रेटर नोएडा के कस्बा जेवर स्थित मोहल्ला सल्लियान में सोमवार रात एक सगाई समारोह के दौरान विवाद हो गया। गली में वाहन खड़े करने को लेकर हुए इस झगड़े में कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, मोहल्ला सल्लियान निवासी कुंवरपाल पुत्र शेर सिंह के यहां उनके बेटे की सगाई का कार्यक्रम चल रहा था। कार्यक्रम के चलते गली और सड़क पर बड़ी संख्या में वाहन खड़े कर दिए गए थे, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो गया था।

इसी दौरान मोहल्ले के ही नितिन उर्फ दरिया पुत्र लोकेश और शिवकुमार उर्फ शिवा ने रास्ता खाली कराने के लिए वाहन हटाने को कहा। आरोप है कि वाहन न हटाने पर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो जल्द ही गाली-गलौज और विवाद में बदल गई। इसके बाद आरोपियों ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर मौके पर खड़े कई वाहनों में तोड़फोड़ की, जिससे वे क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की सूचना मिलने पर थाना जेवर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने नितिन उर्फ दरिया और शिवकुमार उर्फ शिवा सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी नितिन उर्फ दरिया और शिवकुमार उर्फ शिवा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और मामले की निष्पक्ष जांच जारी है।

नोएडा में 4 ई मॉडल पर सड़क सुरक्षा की जाए

सांसद ने अधिकारियों के साथ की बैठक, शहर में 152 ब्लैक स्पॉट पर होगा काम

नोएडा। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए मंगलवार को डीएम कार्यालय में संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की एक बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने की। बैठक में सड़क सुरक्षा गतिविधियों की नियमित निगरानी, सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों का गहन विश्लेषण व दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों की पहचान की गई।

152 ब्लैक स्पॉट चिह्नित

जिलाधिकारी ने साल 2021 से 2025 तक जनपद में चिह्नित किए गए सड़क दुर्घटना ब्लैक स्पॉट्स और वहां किए गए सुधारात्मक कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी सांसद को दी गई। अवगत कराया गया कि जनपद में कुल 152 दुर्घटना ब्लैक स्पॉट चिह्नित किए गए हैं। सांसद ने निर्देश दिए कि

निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप ब्लैक स्पॉट्स की पहचान करते हुए वहां सभी आवश्यक सड़क अभियान्त्रिकी उपाय जैसे स्पीड ब्रेकर, संकेतक बोर्ड, दिशा सूचक बोर्ड, ट्रैफिक सिग्नल एवं सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं।

4ई मॉडल पर करे काम

सांसद ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, प्रवर्तन, आपातकालीन देखभाल एवं अभियान्त्रिकी अर्थात '4श्च मॉडल' के समन्वित क्रियान्वयन से ही सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सकती है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों पर इमरजेंसी लेन के निर्माण, गति सीमा की समय-समय पर समीक्षा तथा यातायात शांत करने वाले उपायों को सख्ती से लागू करने पर विशेष जोर दिया।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा अवगत कराया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के लिए पैनल अस्पतालों में 1.5 लाख तक की केशलैस उपचार योजना संचालित है। इस पर सांसद ने योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित एवं प्रभावी सहायता मिल सके। बैठक में विद्यालय यानों की सुरक्षा को लेकर भी विशेष चर्चा की गई।

निर्णय लिया गया कि जनपद में सभी विद्यालय वाहनों की फिटनेस जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत सीसीटीवी, जीपीएस, प्रशिक्षित चालक एवं सहायक स्टाफ की उपलब्धता व चालकों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाएगा।

16वीं मंजिल से कूदकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने किया सुसाइड

ग्रेटर नोएडा में पत्नी से लड़ाई के बाद लगाई छलांग, 6 महीने से बेरोजगार था

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने 16वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। सॉफ्टवेयर इंजीनियर शराब के नशे में था। पहले पत्नी से झगड़ा किया। इसके बाद साली को चाकू मार दी। फिर कूदकर 16वें फ्लोर से नीचे कूद गया।

पत्नी का कहना है कि वह 6 महीने से बेरोजगार था। वह दिन-रात शराब पीता था। इसके बाद घर में लड़ाई-झगड़ा करता था। आज भी शराब पीकर लड़ाई कर था। लड़ाई करते-करते उसने बालकनी से नीचे छलांग लगा दी। पूरा घटना पैरामाउंट इमोशंस सोसाइटी के टॉवर नंबर-सी में मंगलवार शाम को हुई।

मूलरूप से पटना (बिहार) के रहने वाले शत्रुघ्न सिन्हा (38) एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। वह अपनी पत्नी के साथ टॉवर नंबर-सी में 16वें फ्लोर पर रहते थे। पत्नी गुलशन राठौर (34) ने बताया कि शत्रुघ्न सिन्हा पिछले 6 महीने से बेरोजगार थे।

नौकरी न होने के चलते वह तनाव में थे। पत्नी गुलशन राठौर ने कहा- मैं भी एक आईटी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हूं। मैं अपनी सैलरी से पूरे घर का खर्च चला रही थी। फ्लैट भी किराये पर ले रखा है। इसका किराया भी मैं ही दे रही हूं।

फ्लैट का दरवाजा बंद कर बालकनी से छलांग लगाई

गुलशन ने कहा- खर्च उठाने के बाद भी शत्रुघ्न आए दिन शराब के नशे में विवाद करता था। आज भी उसने शराब पी रखी थी। पहले मुझसे लड़ाई की। इसके बाद मुझे मारपीट करने की कोशिश की। जब मेरी बहन बीच-बचाव करने लगी तो उसे चाकू मार दिया।

गुलशन ने बताया कि मैंने पुलिस को सूचना दी। लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही शत्रुघ्न ने फ्लैट का दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद खुद बालकनी में जाकर छलांग लगा दी। मेरे चिल्लाने पर आसपास के लोगों ने दरवाजा खोला। हम शत्रुघ्न को यथार्थ अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बिसरख थाना पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शत्रुघ्न सिन्हा ने पैरामाउंट सोसाइटी के टॉवर नंबर-सी में अपने फ्लैट की 16वीं मंजिल की बालकनी से छलांग लगाई थी। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजन मौके पर मौजूद हैं और आगे की आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

नोएडा में कैफे संचालक से मारपीट, दो गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। सेंट्रल नोएडा के इकोटेक 3 थाना क्षेत्र में एक साइबर कैफे संचालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

कैफे संचालक मनीष कुशवाहा ने एक वीडियो वायरल कर बताया कि 22 जनवरी को कुछ लोग उनके कुलेसरा स्थित साइबर कैफे में घुस आए।

उन्होंने मनीष के साथ मारपीट की और उसे गाड़ी में बिठाकर ले गए। मनीष का आरोप है कि आरोपियों ने खुद को एसटीएफ का बताकर गोली मारने और जेल भेजने की धमकी दी, साथ ही पांच लाख रुपये की फिरौती भी मांगी।

पीड़ित ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर नोएडा पुलिस से मदद की गुहार लगाई थी, जिसका पुलिस ने संज्ञान लिया।

सेंट्रल नोएडा के एडीसीपी संतोष कुमार ने बताया कि इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विवाद मार्कशीट में सुधार को लेकर हुआ था, जिसमें कुछ गलती हो गई थी। पुलिस ने पीड़ित द्वारा लगाए गए एसटीएफ बताकर फिरौती मांगने जैसे अन्य आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

नोएडा में बैंक कर्मियों ने की हड़ताल

5 डेज वर्किंग की मांग, चेक क्लियरेंस, डिमांड ड्राफ्ट; नकद लेनदेन की सेवा प्रभावित

नोएडा। देशभर के बैंकों में मंगलवार को हड़ताल रही। ये हड़ताल यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर थी। इसका असर नोएडा में देखने को मिला। यहां सेक्टर-62 में आंचलिक कार्यालय के पास नोएडा के समस्त बैंककर्मियों ने धरना प्रदर्शन किया। हड़ताल की सबसे प्रमुख मांग फाइव डे वर्क वीक यानी हफ्ते में 5 दिन काम रही। इस हड़ताल से नोएडा में चेक क्लियरेंस, डिमांड ड्राफ्ट, नकद लेनदेन जैसी सेवाएं प्रभावित रही। बैंक कर्मियों का तर्क है कि जब केंद्र सरकार के अधिकांश विभागों में हफ्ते में 5 दिन काम की व्यवस्था है। तो बैंकिंग सेक्टर को इससे बाहर क्यों रखा गया है? बैंक यूनियनों के मुताबिक, केंद्र सरकार और इंडियन बैंक एसोसिएशन से लंबे समय से इस मुद्दे पर कई दौर की चर्चाएं हो चुकी हैं। सुमन कुमार, आंचलिक मंत्री बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी ऑर्गेनाइजेशन ने कहा कि इतनी चर्चा होने के बाद भी अब तक हमारी मांगों को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं लिया जा सका है। यूनियनों का कहना है कि दूसरे सरकारी विभागों की तरह ही बैंकों में भी वर्क-लाइफ बैलेंस जरूरी है और 5 डेज वर्किंग सिस्टम लागू किया जाना चाहिए।

शिखा की मौत की वजह का नहीं चल पाया पता

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में एक युवती का शव मिलने के मामले में पुलिस की जांच कई दिन बाद भी किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। अलीगढ़ निवासी 28 वर्षीय शिखा का शव 22 जनवरी को मुतैना गांव के रजवाहे से बरामद हुआ था। शनिवार को उसकी पहचान होने के बाद परिजनों ने दनकौर कोतवाली पहुंचकर निष्पक्ष जांच की मांग की। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका है। इसी वजह से पुलिस हत्या और हादसे दोनों ही पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। मृतका के भाई रणजीत ने सवाल उठाया है कि शिखा का उस इलाके में पहुंचना ही कई संदेह पैदा करता है। परिवार को नहीं पता कि शिखा वहां कैसे और किन परिस्थितियों में पहुंची।

यूजीसी नियमों के खिलाफ करणी सेना का प्रदर्शन

कई किसान और स्वर्ण संगठन शामिल, कानून वापसी न होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

गौतम बुद्ध नगर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के विरोध में करणी सेना ने आज ग्रेटर नोएडा कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कई किसान संगठन और स्वर्ण संगठन भी शामिल हुए।

राष्ट्रवादी करणी सेना के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट तक विरोध मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद उन्होंने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान करणी सेना के करण ठाकुर ने कहा कि यूजीसी के नए नियम जातियों के बीच खाई पैदा कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार इन नियमों को वापस नहीं लेती है, तो करणी सेना और स्वर्ण समाज एक बड़ा आंदोलन करेगा और जल्द ही जंतर-मंतर पर भी प्रदर्शन किया जाएगा।

गीता भाटी ने सरकार पर इस कानून को लाकर बड़ी गलती करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे सवर्ण समाज का शोषण होगा और उन पर गलत मुकदमे दर्ज किए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि विश्वविद्यालय के छात्र डिप्रेशन में जा सकते हैं क्योंकि उन पर कोई भी गलत आरोप लगा सकता है।

प्रदर्शन स्थल पर किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और मांग की कि यह कानून हर हाल में वापस लिया जाना चाहिए।

भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

यूजीसी के नए नियम को लेकर भाजपा युवा मोर्चा के नोएडा महानगर जिला उपाध्यक्ष राजू पंडित ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। राजू पंडित ने प्रधानमंत्री को लिखे इस्तीफे में यूजीसी को काला कानून है।

यूजीसी के नए नियमों को सवर्ण जातियों के बच्चों के खिलाफ बताया है। उन्होंने इस कानून को बेहद घातक बताया है।

रामपुर में मंगेतर के 3 टुकड़े करने वाले को उम्रकैद

हंसते हुए जेल गए 6 दोषी, पिता-नौकर के साथ मिलकर कुल्हाड़ी से काटा, फार्म हाउस में दफनाया था

रामपुर। रामपुर के पायल हत्याकांड में मंगेतर जहांगीर समेत 6 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

इंगेजमेंट के बाद जहांगीर दूसरी लड़की से निकाह करने की तैयारी कर रहा था। जब इस बात पायल ने विरोध किया तो उसने अपने पिता, नौकर समेत 5 लोगों के साथ मिलकर उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी। उसके बाद लाश के तीन टुकड़े कर नदी किनारे दफना दिया था।

मामले में मंगेतर जहांगीर समेत 6 को दोषी करार देते हुए, ष्ठछ प्रथम अजय कुमार दीक्षित ने सभी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

सजा सुनाए जाने के बाद भी सभी दोषी हंसते हुए पुलिस की गाड़ी में बैठे। वीडियो में जहांगीर का पिता हाथ हिलाते हुए नजर आ रहा है। वारदात 1 नवंबर 2018 की है।

13 नवंबर 2018 को नगर कोतवाली में पायल के भाई ने हत्या की एफआईआर दर्ज कराई थी।

अब समझिए पूरा मामला

गंज कोतवाली क्षेत्र के राहिल ने बताया- मेरी बहन पायल की इंगेजमेंट नगर कोतवाली क्षेत्र के थानाकुंडा मोहल्ला के जहांगीर नाम के युवक से 6 मार्च 2014 को हुई थी।

3 साल बाद शादी करने की बात हुई थी। जहांगीर इंगेजमेंट के बाद मेरी बहन से फोन पर बात करता था। दोनों में करीब 4 साल तक बातचीत होती रही।

इसी बीच जहांगीर का अफेयर उत्तराखंड के रामनगर की दूसरी लड़की से हो गया।

जिसके चलते वो शादी को टाल रहा था। मेरी बहन को शक हुआ तो उसने जहांगीर से इस बारे में बात की और विरोध करने लगी। इसी दौरान जहांगीर उत्तराखंड की लड़की से निकाह की प्लानिंग करने लगा।

पायल नहीं मानी तो रास्ते से हटाने का प्लान बनाया

ये बात पायल को पता लगी तो विरोध किया। लेकिन जहांगीर नहीं माना। जब बहन शादी की जिद करने लगी तो उसने उसे रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। उसके पिता ताहिर खां, साथी इमरोज, नौकर निसार, प्रभजीत उर्फ सागर और रिश्तेदार दानिश को प्लान के बारे में बताया।

एक नवंबर को मिलने के बहाने बुलाया

एक नवंबर 2018 को मेरी बहन को मिलने के लिए टैक्सी स्टैंड सिविल लाइंस बुलाया। जहां पर जहांगीर और इमरोज स्कूटी लेकर मौजूद थे। दोनों पायल को बहाने से स्कूटी से बिठाकर कोसी नदी के पास अपने फॉर्म हाउस पर ले गए। इसके बाद सभी ने मिलकर उसे कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। फिर उसके शव के तीन टुकड़े किए। पुलिस से बचने के लिए सभी ने मिलकर फार्म हाउस में ही 4 फीट का गड्ढा खोदा और उसी में शवों के टुकड़ों को दफना दिया।

मंत्री की फॉर्च्यूनर ने 3 को कुचला, 1 की मौत

ललितपुर। ललितपुर जिले में भाजपा विधायक लिखी फॉर्च्यूनर ने बाइक सवार 3 युवकों को कुचल दिया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो घायल हैं। मंगलवार सुबह हादसे पर भड़के लोगों ने कार को घेर लिया और सड़क जाम कर प्रदर्शन करने लगे। पुलिस ने समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। हादसा सोमवार रात करीब 12 बजे का है। लोगों का आरोप है कि गाड़ी यूपी सरकार के राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ की पत्नी कस्तूरी देवी के नाम पर है। कार में मंत्री का बेटा और 4 अन्य लोग सवार थे। सभी नशे में धुत थे। हादसे के वक्त कार की स्पीड 100 से ज्यादा थी। पीछे से आई कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार करीब 300 मीटर तक घिसटती चली गई। उसका अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क पर पार्ट्स बिखर गए। कार के एयरबैग खुल गए थे, इसलिए उसमें सवार लोगों को चोटें नहीं आईं। कार लॉक हो चुकी थी। पीछे का शीशा तोड़कर उसमें से लोग बाहर निकले। राहगीरों ने हादसे पर विरोध जताया तो मंत्री के बेटे ने बंदूक दिखाकर धमकाया और गाड़ी छोड़कर फरार हो गए।

मां ने पतंग उड़ाने से रोका, छात्र ने जान दी

मेरठ में दोस्तों के सामने डांट दिया था; दूसरी मंजिल पर शव लटका मिला

मेरठ। मेरठ में मां ने 9वीं के छात्र को पतंग उड़ाने से रोका, तो उसने जान दे दी।

घर की दूसरी मंजिल के कमरे में उसका शव फंदे पर लटका मिला। वह 3 दिन से ज्यादा पतंग उड़ा रहा था। जिसकी वजह से मां ने उसे दोस्तों के सामने डांट दिया था।

इससे नाराज होकर सोमवार सुबह करीब 11 बजे वह कमरे में गया। दोपहर 12.30 बजे जब उसके दोस्त कमरे में गए, तो उसका शव देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर अस्पताल भेजा। घटना नौचंदी थाना क्षेत्र के सेक्टर-3 शास्त्रीनगर की है।

अब पढ़िए पूरा मामला

अनंत चौहान (14) विद्या मंदिर स्कूल में 9वीं क्लास में पढ़ता था। अनंत के पिता विनय चौहान ड्राइवर हैं।

मां और भाई- बहन है। परिवार सामान्य है। लड़के का स्कूल में बिहेव ठीक था। पढ़ने में भी वो ठीक था।

पिता विनय चौहान ने बताया कि

अनंत पिछले 3 दिन से लगातार पतंग उड़ा रहा था। बसंत पंचमी के दिन बारिश होने के बाद भी अनंत नहीं माना और पतंग उड़ाने छत पर पहुंच गया था। आज 26 जनवरी को छुट्टी के दिन भी अनंत सुबह से दोस्तों के साथ पतंग उड़ाने अपनी छत पर चला गया।

मां ने कहा था- पढ़ाई कर, पतंग मत उड़ा

बेटे को लगातार तीन दिन से पतंग उड़ाता देखकर मां नाराज हो गईं। उन्होंने दोस्तों के सामने अनंत को सुबह 11 बजे डांटा।

कहा- अब तक तेरी पतंगबाजी पूरी नहीं हुई, जो अब भी पतंग ही उड़ा रहा है। ऐसे ही पतंग उड़ाता रहा, तो स्कूल से नाम कटवा ले। दोस्तों के सामने मां की यह डांट सुनकर अनंत दुखी हो गया।

शार्ट न्यूज

बार काउंसिल चुनाव में पहले दिन पड़े 3948 वोट

कानपुर। यूपी बार काउंसिल चुनाव में मंगलवार को मतदान के पहले दिन 3948 अधिवक्ताओं ने वोट डाले। सुबह 10 से शाम पांच बजे तक 154 बूथों पर मतदान हुआ। 3 काउंटर पर वर्षवार पंजीकरण के हिसाब से सीओपी (सर्टिफिकेट आफ प्रैक्टिस) और रजिस्ट्रेशन के दस्तावेजों की जांच हुई। कोर्ट परिसर में मतदान के दौरान विशेष सुरक्षा बल (एसएसएफ) और पुलिसकर्मी तैनात रहे। बिना सीओपी देखे किसी अधिवक्ता को वोट देने के लिए प्रवेश नहीं कराया गया। मतदान के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर ऑफिस से चेतना चौराहा जाने वाली सड़क पर रूट डायवर्जन किया गया था, जिस पर वीआईपी, हडर्ड चौराहा समेत अन्य स्थानों पर जाम देखने को मिला। शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया कराने के लिए जिला जज अनमोल पाल और पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने कचहरी परिसर में निरीक्षण किया। मतदान के दौरान प्रत्याशियों ने कचहरी के आसपास अपने टेंट लगाए थे, पूरे दिन जमकर नारेबाजी होती रही। गुरुवार को भी मतदान होगा, चुनाव में विशेष सुरक्षा बल के 36 जवान और 50 कर्मचारी लगाए गए थे। दस्तावेज सत्यापन के लिए 3 काउंटर बनाए गए थे।

कानपुर देहात में किसान-श्रमिक संगोष्ठी

कानपुर देहात। कानपुर देहात के माती मुख्यालय में किसान-श्रमिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया गया। अकबरपुर सांसद देवेंद्र सिंह भोले द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में जनपद के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती, किसान एवं मजदूर की आरती के साथ हुई। मुख्य अतिथि डॉ. संजय निषाद ने अपने संबोधन में वी बी जी राम जी योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त करने के उद्देश्य से बनाई गई है। डॉ. निषाद ने दावा किया कि किसानों, श्रमिकों और वंचित वर्गों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने केवल आश्वासन दिए, जबकि वर्तमान सरकार धरातल पर परिणाम दिखा रही है। सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाएं बिना किसी भेदभाव के सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही हैं।

कानपुर में युवती ने की आत्महत्या

कानपुर। कानपुर के सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के नगवा गांव में मंगलवार सुबह एक 20 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, युवती ने अपनी बड़ी बहन की शादी एक शराबी व्यक्ति से तय होने के कारण यह कदम उठाया। मनोज सिंह की पुत्री शानू (20) का शव उसके घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने सुबह शव देखा, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि युवती के पिता शराबी हैं। शानू की बड़ी बहन शिम्मी की शादी एक ऐसे व्यक्ति से तय हुई थी, जो शराब का आदी था। शानू इस शादी के खिलाफ थी और उसने परिवार को मना भी किया था। पुलिस के अनुसार, शानू के परिवार में उसकी बड़ी बहन शिम्मी और एक भाई है। परिवार पिछले वर्ष हुई माता की मृत्यु के शोक से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाया था। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

एटा में बाल श्रम उन्मूलन अभियान

एटा। एटा जिए के जिलाधिकारी प्रेमरंजन सिंह के निर्देश पर एटा जिले के जलेसर कस्बे में बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जलेसर कस्बे के छह प्रतिष्ठानों से छह बाल श्रमिकों को चिह्नित कर मुक्त कराया गया। इन बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा और उचित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाने की प्रशासन की ओर से पहल की गई है। शासन के निर्देशानुसार जिले में बाल श्रम की रोकथाम के लिए समय-समय पर औचक निरीक्षण और अभियान चलाए जा रहे हैं। बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और जिले को बाल श्रम मुक्त बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी बाल श्रम, बाल तस्करी या बच्चों से जुड़ी किसी भी प्रकार की शोषणकारी गतिविधि की जानकारी मिलती है, तो वे तत्काल नजदीकी थाने, चाइल्डलाइन (हेल्पलाइन 1098) या संबंधित विभाग को सूचित करें। इस अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारी राज बाबू, बाल संरक्षण अधिकारी, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और पुलिस बल शामिल थे।

दीवार बनाने के विवाद में कुल्हाड़ी-चाकू से हमला

लखनऊ। लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र के सरदारी खेड़ा में सोमवार को दो पक्षों में दीवार बनाने को लेकर विवाद हो गया। विवाद में दबंगों ने दो भाइयों पर कुल्हाड़ी और चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। सरदारी खेड़ा निवासी सैयद ताहिर अली ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 12.30 बजे अपने भाई मसूद अली के साथ घर के सामने दीवार का निर्माण करा रहे थे। इस दौरान सरदार हुसैन अपने 8-10 साथियों के साथ ब्रेजा, बलेनो और अन्य गाड़ियों से मौके पर पहुंचा और दीवार बनाने का विरोध करने लगा। उन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन नहीं माने। इस दौरान दबंगों ने कुल्हाड़ी और चाकू से ताहिर अली और मसूद अली पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आईं। पीड़ित का आरोप है कि हमलावर गाली-गलौज करते हुए चाकू लहराते रहे और जान से मारने की धमकी दी।

यूपी में 5 डे वर्किंग के लिए बैंकों में हड़ताल

लखनऊ। बैंकों में 5 डे वर्किंग की मांग को लेकर पूरे यूपी में 27 जनवरी को शाखाओं में हड़ताल रही। 4 दिन लगातार छुट्टी के बाद मंगलवार को पांचवें दिन भी बैंक बंद रहे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर मंगलवार को देशभर के साथ लखनऊ में भी बैंककर्मियों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल की। लखनऊ में हड़ताल के दौरान बैंककर्मियों ने हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक मुख्यालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। सभा आयोजित कर केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया। मंगलवार की हड़ताल से लखनऊ जिले में 2500 करोड़ रुपए की क्लियरिंग प्रभावित हुई। बैंककर्मियों का कहना है कि लंबे समय से आंदोलन, धरना, रैली और सोशल मीडिया अभियान चलाने के बावजूद केंद्र सरकार उनकी एकमात्र मांग पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले रही है। सभा को संबोधित करते हुए नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ बैंक इम्प्लॉइज के महामंत्री डी.के. सिंह ने कहा कि जब रिजर्व बैंक, एलआईसी, सेबी, नाबार्ड, एनपीसीआई, सीवीसी, डीएफएस सहित अनेक सरकारी विभागों में 5 दिवसीय कार्य व्यवस्था लागू है, तो बैंकों के साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है?

सड़क किनारे घायल मिला दुर्लभ काला हिरन

बदायूं। बदायूं के कादरचौक थाना क्षेत्र में बदुल्लागंज-रमजानपुर रोड पर एक दुर्लभ प्रजाति का काला हिरन घायल अवस्था में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सड़क किनारे गंभीर रूप से जख्मी हालत में पड़े हिरन की स्थिति लगातार नाजुक बनी हुई थी। हिरन को घायल देखकर ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के करीब एक घंटे बाद तक भी वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची। इस दौरान हिरन की हालत और बिगड़ती चली गई, जिससे ग्रामीणों में रोष फैल गया और उन्होंने विभागीय लापरवाही पर नाराजगी जताई। काफी देर बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायल काले हिरन को अपने कब्जे में लेकर प्राथमिक उपचार शुरू कराया। उपचार के बाद हिरन को बरेली रोड स्थित नवादा गांव के पास बने वन विभाग के आर्बोरेटम में सुरक्षित रखा गया है, जहां वन्यजीवों के इलाज और देखभाल की समुचित व्यवस्था है। रेंजर विकास वरुण ने बताया कि आवारा कुत्तों के हमले में काला हिरन घायल हुआ है। उन्होंने कहा कि फिलहाल हिरन की हालत स्थिर है और उसका इलाज जारी है।

एडीजी जोन ने अपराध समीक्षा गोष्ठी कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये

ललितपुर । झांसी अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन कानपुर आलोक सिंह द्वारा जनपद झांसी भ्रमण दौरान पुलिस महानिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र, झांसी कैम्प कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में अपराध/कानून-व्यवस्था व अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी की गई। गोष्ठी के दौरान महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से संबंधित मिशन शक्ति अभियान की प्रगति, साइबर अपराधों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण, ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत लंबित अभियोगों में त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना कर अधिकतम कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने, यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं सुचारु बनाए जाने तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु प्रभावी कार्यवाही, प्रशिक्षुओं हेतु थानों पर उपलब्ध आवासीय व्यवस्था/ मूलभूत सुविधाओं को अतिशीघ्र सुदृढ़ करने, जनशिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

गणतंत्र दिवस समारोह, मंत्री और एसपी ने फहराया तिरंगा

पुलिस लाइन में परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम; पुलिसकर्मी हुए सम्मानित

ललितपुर। देश की एकता और अखंडता को समर्पित 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन्स, ललितपुर पर रैतिक परेड का आयोजन किया गया ।

पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक महोदय जिला पुलिस के प्रथम परेड कमांडर के सतत् पर्यवेक्षण एवं कुशल मार्गदर्शन में पुलिस कर्मियों की कुल 10 टोलियों द्वारा भव्य ऐतिहासिक परेड में सहभागिता कर मुख्य अतिथि मा0 राज्यमंत्री, उ0प्र0 शासन श्री मनोहर लाल पंथ जी द्वारा झण्डा फहराया गया ।

रैतिक परेड में 10 टोलियों में पारंपरिक वेशभूषा से सुसज्जित पुलिस के जवानों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गयी ।

माननीय मुख्य अतिथि द्वारा परेड

का निरीक्षण किया गया तदोपरान्त परेड द्वारा लयबद्ध हर्ष फायर आदि की कार्यवाही की गयी ।मा0 मुख्य अतिथि द्वारा शान्ति एवं सौहार्द, समृद्धि के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश की तरफ छोड़ने के पश्चात परेड के निरीक्षण हेतु पुलिस अधीक्षक, के साथ चन्द्र व तृतीय कमांडर उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस छोटेलाल पाल द्वारा किया गया ।

इस परेड में कुल 10 टोलियों द्वारा प्रतिभाग किया गया है ।इन टोलियों के अतिरिक्त मोटरसाइकिल दस्ता, अग्निशमन दस्ता, मिशन-शक्ति केन्द्र मोबाइल टीम, वज्र वाहन, स्वाट टीम, डायल-112, फील्ड यूनिट टीम व महिला पीआरवी के साथ होमगार्ड व एनसीसी कैडिड्स ने भी प्रतिभाग किया ।

पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी को संविधान की शपथ दिलाई गई । तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा जनपद में सराहनीय कार्य करने वाले अधि0/कर्म0गण को शील्ड व प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया ।

ललितपुर में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

ललितपुर। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, ललितपुर में 77वां गणतंत्र दिवस प्रधानाचार्य डॉ. मयंक कुमार शुक्ला के नेतृत्व में अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवनिर्मित 300 बेड चिकित्सालय परिसर में प्रातः 8ः30 बजे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गजेंद्र सिंह चौहान द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसमें चिकित्सालय के समस्त स्टाफ ने सहभागिता की इसके उपरांत अमरपुर स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर में प्रातः 10ः00 बजे प्रधानाचार्य डॉ. मयंक कुमार शुक्ला द्वारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। यह अमरपुर स्थित मेडिकल कॉलेज

परिसर में पहला अवसर था, जब गणतंत्र दिवस के अवसर पर विधिवत ध्वजारोहण किया गया, जो संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण क्षण रहा। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इसके उपरांत एमबीबीएस प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोहारी प्रस्तुतियाँ दी गईं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात प्रधानाचार्य महोदय एवं मंचासीन अधिकारियों द्वारा चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रधानाचार्य डॉ. मयंक कुमार शुक्ला ने समस्त कार्यक्रम प्रबंधन टीम, संकाय सदस्यों, चिकित्सा अधिकारियों, सीनियर एवं जूनियर रेजिडेंट्स, नर्सिंग ऑफिसर्स, पैरामेडिकल एवं अन्य सहायक स्टाफ को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

उन्होंने कहा कि सभी को निरंतर समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य करते हुए इस चिकित्सा महाविद्यालय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना है। इस अवसर पर उन्होंने यह भी घोषणा की कि चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 50 बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है, जिसे शीघ्र ही स्वीकृति मिलने की उम्मीद है।

हत्या के प्रयास के दो अभियुक्त पकड़े

ललितपुर। पुलिस ने हत्या के प्रयास में वाँछित दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक फरसा, एक चाकू बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली ललितपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-96/2026 धारा- 352/109 बीएनएस व 3(1)द, 3(2)(V) SC/ST ACT के वांछित अभियुक्त आमिर पुत्र आविद खाँ उम्र करीब 19 वर्ष निवासी मुहल्ला गांधीनगर नईवस्ती थाना कोतवाली जिला ललितपुर साहिल पुत्र अजय उर्फ जावेद उम्र करीब 18 वर्ष निवासी मुहल्ला गांधीनगर नईवस्ती थाना कोतवाली जिला ललितपुर हाल पता कस्वा व थाना पिपलानी विजली कालौनी जिला भोपाल म0प्र0 को नियमानुसार गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है । वादी मुकदमा की तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली ललितपुर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित की गयी थी ।सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों व कोतवाली ललितपुर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर जाकर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया था ।संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में 03 पुलिस टीमे गठित की गयी थी ।गठित टीमों द्वारा सर्विलांस (टैक्नीकल/मैनुअली) की मदद से अभियुक्त आमिर व साहिल उपरोक्त को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया ।

हत्या के आरोपी को 10 साल का सश्रम कारावास

बागपत में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत कोर्ट ने सुनाई सजा

बागपत। जनपद बागपत में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पुलिस और अभियोजन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। मंगलवार को न्यायालय ने हत्या के एक गंभीर मामले में आरोपी सोनू उर्फ घोलू को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

इस फैसले को पुलिस और अभियोजन की प्रभावी पैरवी का परिणाम माना जा रहा है।

आरोपी सोनू उर्फ घोलू पर हत्या का संगीन आरोप दर्ज था। घटना के बाद पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता से विवेचना की गई और घटनास्थल से लेकर अन्य पहलुओं पर गहन जांच करते हुए ठोस साक्ष्य एकत्र किए गए।

विवेचना के दौरान गवाहों के बयान, वैज्ञानिक साक्ष्य और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों को संकलित कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। वहीं, अभियोजन विभाग ने न्यायालय में मामले की मजबूत पैरवी की, जिससे आरोपी के विरुद्ध आरोप सिद्ध हो सके।

पुलिस और अभियोजन की संयुक्त एवं समन्वित कार्यवाही के चलते न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए यह कड़ी सजा सुनाई।

न्यायालय के इस फैसले से पीड़ित पक्ष को न्याय मिला है, वहीं आमजन में कानून एवं न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन कन्विक्शन का मुख्य उद्देश्य गंभीर अपराधों में दोषियों को सजा दिलाकर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। उन्होंने इस निर्णय को ऑपरेशन कन्विक्शन की एक अहम उपलब्धि बताया।

रेलकर्मी ने फेसबुक पर दोस्ती कर युवती से किया रेप

बिलासपुर । छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रेलवे कर्मचारी ने फेसबुक के जरिए युवती से दोस्ती की, फिर शादी का झांसा देकर उसके साथ रेप किया। इस दौरान प्रेग्नेंट होने पर अबॉर्शन भी करवा दिया। अब शादी के वादे से भी मुकर गया। परेशान होकर युवती ने रेलवे के टेक्नीशियन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है। दरअसल, 27 वर्षीय युवती उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर की रहने वाली है। जनवरी 2024 में उसकी पहचान यूपी के बनारस के खोचवा निवासी ऋषभ कुमार सिंह (34) से फेसबुक के जरिए हुई थी। बातचीत के बाद दोनों की दोस्ती हो गई। उसने युवती से प्यार करने और शादी करने का झांसा दिया। युवती भी उसकी बातों में आ गई और उससे प्यार करने लगी। युवती ने अपनी शिकायत में बताया कि, वह पुलिस में भर्ती की तैयारी कर रही थी।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने की जल सहेली के प्रयासों की सराहना

तालबेहट की शारदा बंशकार ने बढ़ाई जिले की शान

ललितपुर। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने देश के विभिन्न कोनों से आए जल योद्धाओं के साथ सीधा संवाद किया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण को एक जन-आंदोलन बनाना और उन जमीनी नायकों को सम्मानित करना था जिन्होंने पानी बचाने को अपने जीवन का संकल्प बना लिया है।

संवाद के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तालबेहट की शारदा बंशकार जैसी समर्पित महिलाएं यह सिद्ध कर रही हैं कि यदि संकल्प शक्ति मजबूत हो, तो जल संकट जैसी बड़ी चुनौती को भी मात दी जा सकती है।

उनके द्वारा जल प्रबंधन और सूखे

प्रभावित क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए गए साहसी कार्यों की जमकर सराहना की। शारदा ने बताया कि जब मैंने पानी बचाने के लिए बाहर जाकर काम करने की कोशिश की तो मुझे बहुत विरोध का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और महिलाओं को एकजुट कर परमार्थ संस्थान के सहयोग से ग्राम पंचायत और ब्लॉक लेवल के अफ़सरों के साथ मिलकर 2021 में बरुआ नदी पर 5000 बोरियों का मिट्टी का डैम बनाया, जिससे मानसून के दौरान खेती और दूसरे कामों के लिए काफ़ी पानी जमा हो जाता है और अब बरुआ नदी में लोगों, जानवरों के लिए पर्याप्त पानी रहता है। शारदा के सम्मान ने ललितपुर ही नहीं, बल्कि पूरे बुंदेलखंड के जल संरक्षण प्रयासों को एक नई ऊर्जा दी है।

यूएन में भारत का कड़ा रुख : पाकिस्तान को खूब सुनाई कहा– ऐसे नहीं देंगे सिंधू का पानी

जेनेवा (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी आतंकी नीतियों और भारत विरोधी एजेंडे के लिए जमकर लताड़ लगाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरीश ने दो टूक शब्दों में कहा कि पाकिस्तान का एकमात्र एजेंडा भारत को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन उसे अब अपनी हरकतों का खामियाजा भुगतना होगा। सिंधु जल संधि पर भारत का रुख अब बेहद सख्त नजर आ रहा है। भारत ने स्पष्ट किया कि उसने 65 साल पहले सद्भावना के साथ यह संधि की थी, लेकिन पाकिस्तान ने तीन युद्ध और हजारों आतंकी हमले करके इस भरोसे को तोड़ा है। भारत ने अब घोषणा की है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को स्थायी रूप से खत्म नहीं कर देता, तब तक इस संधि को रोक कर रखा जाएगा। अंत में, भारत ने पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति और वहां के संवैधानिक संकट पर भी कटाक्ष किया। पी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान को दूसरों को ज्ञान देने के बजाय आत्मचिंतन करना चाहिए कि कैसे वहां सेना ने 27वें संशोधन के जरिए संवैधानिक तख्तापलट किया और अपने रक्षा प्रमुख को आजीवन छूट दे दी। भारतीय प्रतिनिधि ने पिछले साल के घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए पाकिस्तान के दावों की हवा निकाल दी। उन्होंने सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के उस झूठे नैरेटिव को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर खुद के पक्ष में विवरण पेश किया था। पी हरीश ने याद दिलाया कि कैसे पाकिस्तान की हेकड़ी कुछ ही घंटों में गायब हो गई थी। उन्होंने कहा, 9 मई तक पाकिस्तान भारत पर और अधिक हमलों की धमकी दे रहा था, लेकिन 10 मई की सुबह होते-होते पाकिस्तानी सेना ने सीधे भारतीय सेना को फोन किया और युद्ध रोकने (सीजफायर) की गुहार लगानी शुरू कर दी। भारत ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए उन साक्ष्यों का भी जिक्र किया जो पाकिस्तानी सेना की विफलता की कहानी बयां करते हैं। भारतीय कार्रवाई से पाकिस्तान के कई एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा था। नष्ट हुए रनवे और जले हुए हैंगर्स की तस्वीरें आज भी जनता के सामने मौजूद हैं, जो पाकिस्तान की सैन्य कमजोरी को उजागर करती हैं।

बांग्लादेश की समीक्षा समिति ने अनुबंध रद्द करने की सिफारिश की, अब महंगी बिजली देंगे आडानी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की एक उच्चस्तरीय समीक्षा समिति ने भारतीय समूह अडानी पावर के साथ हुए अरबों डॉलर के बिजली आपूर्ति समझौते पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोमवार को जारी अपनी रिपोर्ट में समिति ने इस सौदे में गंभीर विसंगतियों का दावा करते हुए इसे रद्द करने या इसकी शर्तों पर दोबारा बातचीत करने की सिफारिश की है। यह समझौता वर्तमान में बांग्लादेश की कुल बिजली आवश्यकता का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा पूरा करता है। नेशनल रिव्यू कमेटी ऑन पावर परचेज एग्रीमेंट्स द्वारा तैयार की गई यह रिपोर्ट उन सौदों की जांच का हिस्सा है, जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान किए गए थे। रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा किया गया है कि बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड बिजली के लिए जो कीमत चुका रहा है, वह वास्तविक बाजार मूल्य से लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। समिति के अनुसार, झारखंड के गोड्डा प्लांट से होने वाली आपूर्ति के लिए प्रति यूनिट 4 से 5 सेंट की अतिरिक्त कीमत वसूली जा रही है। रिपोर्ट में इसे महज एक तकनीकी गलती न मानकर राजनेताओं, नौकरशाहों और व्यवसायियों के बीच व्यवस्थित मिलीभगत का परिणाम बताया गया है। झारखंड स्थित 2 अरब डॉलर की लागत वाला अडानी का कोयला आधारित गोड्डा प्लांट 2024 में पूरी तरह चालू हुआ था। यह 25 वर्षीय अनुबंध के तहत बांग्लादेश की 13 गीगावॉट की आधारभूत मांग का एक बड़ा हिस्सा पूरा करता है, जिसके बदले बांग्लादेश सालाना करीब 1 अरब डॉलर का भुगतान करता है। समिति ने चिंता जताई है कि वर्ष 2024-25 में बीपीडीबी को 4.13 अरब डॉलर का भारी घाटा हुआ है, जिसका एक बड़ा कारण ये महंगे अनुबंध हैं।

सुरक्षा और ड्रग तस्करी रोकने के लिए भारत-अमेरिका का नया वर्किंग ग्रुप गठित

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने ड्रग तस्करी और नशों से जुड़े आतंकवाद (नार्को-टेररिज्म) की कमर तोड़ने के लिए एक ऐतिहासिक संयुक्त तंत्र की शुरुआत की है। इस रणनीतिक पहल का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना और समाज को सिंथेटिक नशों के बढ़ते खतरे से सुरक्षित बचाना है। व्हाइट हाउस द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, यूएस-इंडिया ड्रग पॉलिसी एग्जीक्यूटिव वर्किंग ग्रुप की पहली महत्वपूर्ण बैठक 20 से 21 जनवरी को वाशिंगटन में संपन्न हुई। इस उच्चस्तरीय बैठक की शुरुआत करते हुए अमेरिका के राष्ट्रीय ड्रग नियंत्रण नीति कार्यालय की निदेशक सारा कार्टर ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुरक्षा सहयोग को लेकर एक समान विजन रखते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नशीले पदार्थों का संकट अब केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन चुका है। यह नया कार्य समूह दोनों देशों की विशेषज्ञता और खुफिया जानकारी साझा करने की साझेदारी का उपयोग कर परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और अवैध नेटवर्क को ध्वस्त करेगा। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने इस अवसर पर भारतीय प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी रोकना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने विशेष रूप से उन रसायनों (प्रीकर्सर केमिकल्स) के अवैध डायवर्जन से निपटने की आवश्यकता पर बल दिया, जिनका उपयोग सिंथेटिक ड्रग्स बनाने में किया जाता है। भारत का लक्ष्य एक ऐसा संतुलन बनाना है जिसमें कानून का सख्ती से पालन हो और साथ ही वैध फार्मास्युटिकल उद्योग व व्यापार में कोई बाधा न आए।

अमेरिका के दो युद्धपोत पहुंचते ही भड़का ईरान कहा- हमें कमजोर न समझें, हम तबाही मचा देंगे

तेहरान (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीदों को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। पिछले सप्ताह जहां कुछ मुस्लिम देशों की मध्यस्थता के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होता दिख रहा था, वहीं हालिया घटनाक्रम ने स्थिति को बेहद विस्फोटक बना दिया है। सोमवार को अमेरिका के तीन शक्तिशाली युद्धपोतों के पश्चिम एशिया पहुँचने के बाद अब यह स्पष्ट हो गया है कि मिडिल ईस्ट एक बार फिर भीषण जंग के मुहाने पर खड़ा है। इससे भड़े ईरान ने साफ तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि हमें कमजोर न समझें, हम तबाही मचा देंगे।

रणनीतिक तैनाती और ट्रंप का रुख अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि तीन विध्वंसक जहाजों के साथ एक विमानवाहक पोत को क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के नाम पर तैनात किया गया है। हालांकि, कूटनीतिक हलकों में इसे ईरान के खिलाफ एक सीधी सैन्य तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर की जा रही दमनकारी कार्रवाई के विरोध में वे हवाई हमले का विकल्प चुन सकते हैं।

ट्रंप ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि जहाजों का एक विशाल बेड़ा उस दिशा में बढ़ रहा है। हालांकि उन्होंने इसे एक एहतियाती कदम बताया है, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि यदि ईरान ने अपनी जनता पर हिंसा बंद नहीं की, तो अमेरिका हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होगा।

ईरान में हिंसक दमन और गृहयुद्ध जैसे हालात ईरान में आर्थिक तंगी और बेतहाशा बढ़ती महंगाई को लेकर पिछले महीने शुरू हुआ जन-आक्रोश अब एक बड़े विद्रोह का रूप ले चुका है। खामेनेई शासन के विरुद्ध सड़कों पर उतरे लोगों पर सुरक्षा बलों ने कड़ी कार्रवाई की है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, इन प्रदर्शनों में अब तक 5000 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। इसी हिंसक कार्रवाई को आधार बनाकर अमेरिका अब ईरान पर सैन्य दबाव बढ़ा रहा है। अमेरिकी तैनाती के जवाब में ईरान ने भी कड़े तेवर दिखाए हैं, कहा है कि हवा का जवाब बवंडर से देंगे। तेहरान के एक मुख्य चौक पर एक बड़ा पोस्टर लगाया गया है, जिसमें एक अमेरिकी विमानवाहक पोत को तबाह होते हुए दिखाया गया है। इस पोस्टर पर साफ शब्दों में लिखा है– हवा का जवाब बवंडर से दिया जाएगा। ईरान के अर्द्धसैन्य बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड के कमांडर ने भी हुंकार भरते हुए कहा है कि उनकी सेना की उंगलियां ट्रिगर पर हैं और वे किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पहले से कहीं अधिक तैयार हैं। दोनों देशों के बीच बढ़ती इस जुबानी जंग और समुद्र में सैन्य हलचल ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है।

इजरायली बंधकों की वापसी और गाजा के पुनर्निर्माण व शांति की अमेरिका ने की तारीफ

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने गाजा के पुनर्निर्माण में मदद के लिए एक नए अंतरराष्ट्रीय तंत्र के गठन को मिडिल ईस्ट में विदेश नीति की एक बड़ी उपलब्धि बताया है। डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र करते हुए प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप ने गाजा से बंधकों के आखिरी बचे हुए शव की वापसी तय करने में मदद की है। लेविट ने कहा कि यह घटनाक्रम न सिर्फ इजराइल के लिए बल्कि व्यापक क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी अहम है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रपति ट्रंप, अमेरिका, हमारे सहयोगियों और मिडिल ईस्ट में शांति के लिए बहुत अच्छी खबर है। उन्होंने आगे कहा कि 20 से ज्यादा देशों ने गाजा के पुनर्निर्माण पर केंद्रित एक नए स्थापित बोर्ड ऑफ पीस पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल महीनों के तीव्र संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण में सहायता के लिए एक समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रयास है। उन्होंने बोर्ड ऑफ पीस के गठन को भी ट्रंप प्रशासन की एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने निरंतर कूटनीतिक प्रयासों से असंभव को संभव कर दिखाया है। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप व्यक्तिगत रूप से मिडिल ईस्ट शांति प्रयासों को लेकर व्यक्तिगत रूप से प्रतिबद्ध हैं। वे गाजा को स्थिर करने व हिंसा की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए क्षेत्रीय और वैश्विक साझेदारों के साथ लगातार संवाद कर रहे हैं। गाजा संघर्ष मिडिल ईस्ट में सबसे अस्थिर और बारीकी से देखे जाने वाले संकटों में से एक है, जिसमें मानवीय मुद्दे, क्षेत्रीय सुरक्षा जोखिम और वैश्विक कूटनीति जटिल तरीकों से आपस में जुड़े हुए हैं। भारत और पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर नजर रखने वाले अन्य देशों के लिए गाजा के पुनर्निर्माण और क्षेत्रीय कूटनीति में अमेरिका की बदलती भूमिका को व्यापक मिडिल ईस्ट स्थिरता और भविष्य की शांति पहलों के लिए अहम माना जा रहा है।

अमेरिकी मंसूबों को झटका: सऊदी, कतर और यूएई ने सैन्य सहयोग से किया इनकार

तेहरान (एजेंसी)। मध्य पूर्व की भू-राजनीति में एक बड़ा और अप्रत्याशित मोड़ आया है। ईरान में सत्ता परिवर्तन (रिजीम चेंज) और उसके परमाणु कार्यक्रम को रोकने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की महत्वाकांक्षी योजना को अपने ही सहयोगियों से कड़ा झटका लगा है। खाड़ी के तीन प्रमुख मुस्लिम देशों– सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर ने अमेरिका को स्पष्ट कर दिया है कि वे ईरान पर किसी भी सैन्य हमले के लिए अपनी जमीन, हवाई क्षेत्र या सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देंगे। इस फैसले ने ट्रंप प्रशासन की सैन्य रणनीति को अधर में लटका दिया है और ये देश अनजाने में ईरान के लिए एक सुरक्षा कवच के रूप में उभर रहे हैं।

वाशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिका ने खाड़ी क्षेत्र में यूएसएस अब्राहम लिंकन जंगी बेड़े और परमाणु सक्षम बमवर्षकों की तैनाती की है। अमेरिका का तर्क है कि ईरान में जारी प्रदर्शनों के खिलाफ सरकार की दमनकारी कार्रवाई और प्रदर्शनकारियों को दी जा रही फांसी के विरोध में वह सैन्य विकल्प अपना सकता है। हालांकि, इन धमकियों का असर तब कम होता दिखा जब खाड़ी के देशों ने अमेरिका को बेस और एयरस्पेस देने से मना कर दिया। यूएई के विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर अपनी संप्रभुता के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई है। यूएई ने स्पष्ट किया कि वह अपनी सीमा का उपयोग किसी भी शत्रुतापूर्ण सैन्य कार्रवाई या लॉजिस्टिक सहायता के लिए नहीं होने देगा। वहीं, सऊदी अरब ने भी निजी स्तर पर अमेरिका को सूचित किया है कि वह अपने हवाई क्षेत्र को ईरानी हमले के लिए बंद रखेगा। यह सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ईरान तक पहुंचने का सबसे छोटा और सुगम रास्ता सऊदी अरब के ऊपर से गुजरता है। यदि सऊदी एयरस्पेस बंद रहता है, तो अमेरिकी विमानों को लंबा और खर्चीला चक्कर काटना पड़ेगा, जिससे ऑपरेशन की जटिलता बढ़ जाएगी।

ईरान पर कभी भी हमला कर सकता है अमेरिका- जंगी जहाज समंदर में उतरे, हमले के लिए ठिकाने भी चिन्हित

वाशिंगटन (एजेंसी)। मध्य पूर्व में एक बार फिर युद्ध की आहट तेज हो गई है क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिकी नौसेना का विशाल एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन तीन अन्य घातक युद्धपोतों के साथ पश्चिम एशिया के रणनीतिक जलक्षेत्र में तैनात हो चुका है। इस भारी सैन्य जमावड़े ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है। अपुष्ट खबरों के अनुसार, सुरक्षा कारणों से ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को एक सुरक्षित बंकर में स्थानांतरित कर दिया गया है और प्रशासन की कमान फिलहाल उनके बेटे के हाथों में होने की चर्चा है। हालांकि अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने इस तैनाती को केवल क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने का एक कदम बताया है, लेकिन कूटनीतिक गलियारों में इसे ईरान पर एक निर्णायक प्रहार की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

सैन्य सूत्रों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों का दावा है कि अमेरिका ने ईरान के उन वरिष्ठ अधिकारियों और ठिकानों को चिन्हित किया है, जो दमनकारी नीतियों और क्षेत्रीय अस्थिरता के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। खुफिया इनपुट के अनुसार, वर्तमान में ईरान की आंतरिक स्थिति 1979 की क्रांति के बाद के सबसे कमजोर दौर से गुजर रही है। देश न केवल गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है, बल्कि शासन की जनता पर पकड़ भी पहले के मुकाबले काफी ढीली हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुफिया एजेंसियों ने सूचित किया है कि यह ईरान की सैन्य और रणनीतिक क्षमताओं को कमजोर करने का सबसे उपयुक्त समय हो सकता है। ट्रंप प्रशासन ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि स्थिति और बिगड़ी, तो सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटा जाएगा।

इस संभावित संघर्ष के बीच भू-राजनीतिक समीकरण भी तेजी से बदल रहे हैं। ईरान के पड़ोसी और क्षेत्रीय शक्ति संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी संप्रभुता का सम्मान करता है और किसी भी युद्ध का हिस्सा नहीं बनेगा। यूएई के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि वह अपनी जमीन, हवाई क्षेत्र या समुद्री सीमा का उपयोग ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य हमले के लिए नहीं होने देगा। यह घोषणा अमेरिका के लिए एक बड़ा कूटनीतिक झटका मानी जा रही है, क्योंकि खाड़ी देशों के सहयोग के बिना बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चलाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यूएई ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी शत्रुतापूर्ण गतिविधि के लिए न तो आधार प्रदान करेगा और न ही कोई लॉजिस्टिक सहायता देगा।

दूसरी ओर, ईरान ने इन धमकियों का जवाब बेहद तल्ख लहजे में दिया है। तेहरान के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि उनकी सेना हाई अलर्ट पर है और किसी भी छोटे या सीमित हमले को पूर्ण युद्ध की घोषणा माना जाएगा। ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि उसके परमाणु ठिकानों या सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, तो इसका जवाब इतना कठोर होगा कि पूरा क्षेत्र इसकी चपेट में आ जाएगा। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी इसी तरह के तनाव के दौरान अमेरिका ने अपने बी-2 बॉम्बर्स के जरिए कुछ खास ठिकानों को निशाना बनाया था। वर्तमान में खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिक बेड़े, जिसे आर्माडा कहा जा रहा है, की मौजूदगी ने यह संकेत दे दिए हैं कि आने वाले कुछ दिन वैश्विक शांति और तेल आपूर्ति की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील होने वाले हैं।

चीन के परमाणु हथियार अब अमेरिका की मुट्ठी में? शी जनरल झांग का कच्चा चिट्ठा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के भीतर एक ऐसा भूचाल आया है जिसने बीजिंग की सत्ता के गलियारों को हिलाकर रख दिया है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सबसे वफादार माने जाने वाले और सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) के उपाध्यक्ष, 75 वर्षीय जनरल झांग यूक्सिया के खिलाफ भ्रष्टाचार और जासूसी के बेहद गंभीर आरोपों के तहत जांच शुरू कर दी गई है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जनरल झांग पर चीन के परमाणु हथियार कार्यक्रम से जुड़ा अत्यंत गोपनीय कोर टेक्निकल डेटा अमेरिका को लीक करने का संदेह है। इसका मतलब है कि चीन के परमाणु हथियार अब अमेरिका की मुट्ठी में हो सकते? इस सनसनीखेज खुलासे के बाद न केवल चीन में बल्कि वैश्विक रक्षा विशेषज्ञों के बीच भी हड़कंप मच गया है।

चीनी रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर इस कार्रवाई को अनुशासन और कानून का गंभीर उल्लंघन करार दिया है। सूत्रों के मुताबिक, चीनी सेना के भीतर हुई एक आंतरिक ब्रीफिंग में जनरल झांग पर कई संगीन आरोप मढ़े गए हैं। इनमें सबसे गंभीर आरोप परमाणु हथियारों की तकनीकी जानकारी साझा करना है, जो चीन की संप्रभुता और सैन्य शक्ति के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा है। इसके अतिरिक्त, झांग पर सेना में उच्च पदों पर पदोन्नति के बदले मोटी रिश्वत लेने, अपने पद का दुरुपयोग करने और सेना के भीतर अपना एक समानांतर राजनीतिक गुट बनाने के आरोप भी लगे हैं। यह मामला इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि झांग को राष्ट्रपति जिनपिंग का दाहिना हाथ माना जाता था और उनके खिलाफ कार्रवाई शी जिनपिंग के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर बढ़ते अविश्वास को दर्शाती है।

जांच का दायरा केवल जनरल झांग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे सैन्य नेटवर्क पर देखा जा रहा है। जांच अधिकारियों ने उन सभी वरिष्ठ अफसरों के मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिए हैं जिन्हें झांग के कार्यकाल के दौरान पदोन्नत किया गया था। यह कार्रवाई सेना के खरीद सिस्टम में फैले गहरे भ्रष्टाचार के नेटवर्क को उखाड़ फेंकने की कोशिश का हिस्सा मानी जा रही है। गौरतलब है कि 2023 से अब तक चीन ने 50 से अधिक वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और रक्षा उद्योग के प्रमुखों को उनके पदों से हटाया है, जिसमें पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू का नाम भी शामिल है। इस घटनाक्रम के बाद बीजिंग में तनाव का माहौल है और सोशल मीडिया पर तख्तापलट जैसी कई अपुष्ट अफवाहें तैर रही हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जनरल झांग की हिरासत के दौरान सुरक्षा बलों के बीच झड़पें भी हुई हैं, हालांकि इनकी कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि परमाणु डेटा लीक का आरोप राजनीतिक रूप से प्रेरित भी हो सकता है ताकि एक शक्तिशाली जनरल को पूरी तरह खत्म किया जा सके। वॉशिंगटन स्थित चीनी दूतावास ने इस मामले पर अधिक टिप्पणी न करते हुए इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति बताया है। फिलहाल, चीन ने परमाणु लीक के विशिष्ट आरोपों पर चुप्पी साध रखी है, लेकिन इस कार्रवाई ने चीनी सेना की आंतरिक स्थिरता और उसके परमाणु सुरक्षा चक्र पर बड़े सवालिया निशान लगा दिए हैं।

खुलेआम हो रही हिंसा, अमेरिकी जनता से अनदेखा करने को कहा जा रहा

–मेयर जोहरान ममदानी ने फिर की आईसीई को पूरी तरह खत्म करने की मांग

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) को लेकर बहस और तेज हो गई है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एक बार फिर आईसीई को पूरी तरह खत्म करने की मांग। उन्होंने आरोप लगाया कि यह एजेंसी खुलेआम हिंसा कर रही है, जिसे अमेरिकी जनता से अनदेखा करने को कहा जा रहा है। एक्स पर जारी बयान में ममदानी ने कहा कि आईसीई ने दिनदहाड़े रैनी गुड की हत्या की। तीन हफ्ते भी नहीं बीते थे कि एलेक्स प्रेट्टी को गोलियां मारी गईं। हर दिन हम देखते हैं कि लोगों को उनकी कारों, उनके घरों और उनकी जिंदगी से जबरन छीना जा रहा है। इस क्रूरता से नजरें नहीं फेर सकते। आईसीई को खत्म करो।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक कार्यक्रम में दिए इंटरव्यू में ममदानी ने मिनियापोलिस में हुई हालिया घटनाओं को भयावह बताया। उन्होंने नेताओं पर आरोप लगाया कि वे अमेरिकियों से उनकी आंखों और कानों पर भरोसा न करने को कह रहे हैं। ममदानी ने कहा कि रैनी गुड से जुड़ा वीडियो साफ है और उसे देखने के बाद किसी और नतीजे पर पहुंचना मुमकिन नहीं। रैनी गुड, 37 साल की अमेरिकी नागरिक थीं। जिन्हें 7 जनवरी को उनकी कार में बैठे हुए आईसीई एजेंट ने गोली मार दी थी।

अधिकारियों के मुताबिक वह किसी इमिग्रेशन रेड का लक्ष्य नहीं थीं। इस घटना के बाद मिनियापोलिस में कई हफ्तों तक विरोध प्रदर्शन हुए। इसके कुछ ही समय बाद, 37 साल के एलेक्स प्रेट्टी की भी एक घटना में मौत हो गई, जहां कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन एजेंट ने उन पर कई गोलियां बरसाईं थी। जोहरान ममदानी का कहना है कि यह डर सिर्फ मिनियापोलिस तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क के लोग भी खुद को आतंकित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि वह न्यूयॉर्क सिटी में ऐसी कार्रवाइयों को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। बढ़ते विरोध और जांच के बीच ममदानी ने कहा कि अमेरिकी जनता सच सुनना और सच देखना चाहती है।

ड्रोन तकनीक को नई दिशा देगा चमगादड के उडान का तरीका

लंदन (एजेंसी)। वैज्ञानिकों के लिए लंबे समय से सवाल बना हुआ था कि पिच-ब्लैक अंधेरे में चमगादड़ इतनी सटीकता से रास्ता कैसे पहचान लेते हैं। घने जंगल, चारों तरफ घुप्प अंधेरा और तेज रफ्तार उड़ान, इसके बावजूद चमगादड़ कभी पेड़ों, पत्तियों या टहनियों से नहीं टकराते। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के वैज्ञानिकों ने इस रहस्य से पर्दा उठा दिया है। यह खोज न केवल प्रकृति की अद्भुत क्षमता को सामने लाती है, बल्कि भविष्य की ड्रोन और रोबोटिक तकनीक को भी नई दिशा दे सकती है। अब तक माना जाता था कि चमगादड़ पूरी तरह इको-लोकेशन यानी ध्वनि तरंगों के सहारे उड़ान भरते हैं और आसपास मौजूद हर चीज को सोनार की तरह मैप करते हैं। लेकिन नई स्टडी के मुताबिक, चमगादड़ सिर्फ आवाज़ की गूंज पर निर्भर नहीं रहते। वे ध्वनि के प्रवाह और उसकी गति को भी महसूस करते हैं, जिसे वैज्ञानिकों ने ÷अकूस्टिक फ्लो वेलोसिटी÷ नाम दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि चमगादड़ हर पत्ती या टहनी की अलग-अलग दूरी नहीं मापते, बल्कि ध्वनि के बहाव के पैटर्न से यह समझ लेते हैं कि सामने का वातावरण कितना घना है और किस रफ्तार से आगे बढ़ना सुरक्षित रहेगा।

इस सिद्धांत को साबित करने के लिए वैज्ञानिकों ने एक खास प्रयोग किया, जिसे ÷बैट एक्सेलेरेटर मशीन÷ नाम दिया गया। यह करीब आठ मीटर लंबा एक उड़ान कॉरिडोर था, जिसमें लगभग 8,000 कृत्रिम पत्तियां लगाकर घने जंगल जैसा माहौल तैयार किया गया। इस प्रयोग में 100 से ज्यादा पिपिस्ट्रेल प्रजाति के चमगादड़ों की उड़ान को बारीकी से ट्रैक किया गया। वैज्ञानिकों ने इन नकली पत्तियों को आगे-पीछे खिसकाया, जिससे ध्वनि तरंगों के प्रवाह की गति बदलती रही। जब पत्तियां चमगादड़ों की ओर बढ़ाईं गईं और उन्हें ध्वनि का प्रवाह तेज महसूस हुआ, तो उन्होंने अपनी उड़ान की रफ्तार लगभग 28 प्रतिशत तक कम कर ली।

वहीं, जब पत्तियां पीछे हटाईं गईं और ध्वनि प्रवाह धीमा लगा, तो चमगादड़ों ने अपनी स्पीड बढ़ा दी। इससे यह साफ हुआ कि चमगादड़ वातावरण की गति को समझकर अपने उड़ान नियंत्रण को तुरंत बदल लेते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रक्रिया डॉप्लर शिफ्ट के सिद्धांत पर आधारित है, वही सिद्धांत जिसकी वजह से एंबुलेंस के पास आने और दूर जाने पर सायरन की आवाज़ बदलती हुई महसूस होती है। यानी चमगादड़ सिर्फ ÷आवाज़ से देख÷ नहीं रहे होते, बल्कि वे आसपास की गति और बनावट को महसूस कर रहे होते हैं। इस खोज को ड्रोन और रोबोटिक्स की दुनिया में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

भारतीय टीम चौथे टी20 में भी जीत की लय बनाये रखने उतरेगी

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टी20 क्रिकेट मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले तीन मैचों में जीत के साथ ही सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त अपने नाम कर ली है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ है और वह वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। भारतीय टीम बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी कीवी टीम पर भारी पड़ी है। भारतीय टीम इस मैच में सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर उतार सकती है। इसका कारण है कि सैमस पहले तीन मैचों में पारी की शुरुआत करते हुए असफल रहे हैं। उनकी जगह ईशान किशन को अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत का अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम की ओर से अभी तक कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा अभिषेक शर्मा सहित अन्य बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है पवर स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। ऐसे में अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम इनके फार्म में आने की उम्मीद करेगी।

कुलदीप ने अबतक दो मैचों में केवल दो विकेट लिए हैं। उन्होंने प्रति ओवर 9.5 रन लुटाए। पिछले मैच में भी कुलदीप ने तीन महंगे ओवर किए जिनमें उन्होंने 32 रन दिए पर अन्य गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या के अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम ने विरोधी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर जीत हासिल की। कुलदीप इससे पहले एकदिवसीय सीरीज में भी प्रभावित नहीं कर पाए थे, जिसमें उन्होंने तीन मैचों में तीन विकेट लिए थे।

वरुण को पिछले मैच में आराम दिया गया था पर पहले दो मैच में भी उनकी गेंदबाजी बेअसर रही। ऐसे में ये भी हो सकता है कि इस मैच में रवि बिश्नोई ही उतरें। बिश्नोई ने पिछले मैच में 18 रन देकर दो विकेट लिए थे। इस मैच में वापसी कर रहे ऑलराउंडर अक्षर पटेल उतरते हैं तो उनकी फिटनेस पर भी सबकी नजरें रहेंगी। वह उंगली में चोट के कारण पिछले दो

मैचों से बाहर थे।

भारतीय टीम चाहेगी कि इस मैच से उसके स्पिनर भी लय हासिल कर लें जहां तक बल्लेबाजी की बात है टीम शीर्ष पर बनी हुई है। भारत की बल्लेबाजी पिछले दोनो ही मैचों में आक्रामक रही है। उसने दूसरे और तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में काफी तेजी से रन बनाकर जीत दर्ज की है। इस मैच में भी यही कहानी रह सकती है। इस श्रृंखला में सीरीज में केवल सैमसन ही असफल रहे हैं। वह तीन मैचों में 5.33 की औसत से 16 रन ही बना पाए हैं जिससे टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए हैं पर तिलक वर्मा के बाहर होने से उन्हें इस मैच में भी बनाये रखने की उम्मीदें हैं।

वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम अब तक इस सीरीज में भारतीय टीम के सामने टिक नहीं पायी है। उसके बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाये हैं। तेज गेंदबाज जेकब डफी के अलावा मैट हेनरी , काइल जैमीसन के अलावा स्पिनर मिचेल सैंटनर भी विफल रहे हैं। अब बचे हुए दो मैचों में कीवी टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर टी20 विश्वकप से पहले लय हासिल करने का प्रयास करेंगे।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

न्यूजीलैंड: मिशेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में बड़ा उलटफेर, एलिना ने कोको गॉफ का विजय रथ रोका

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व की 12वीं नंबर की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने मंगलवार को विश्व की तीसरी नंबर की खिलाड़ी और दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता कोको गॉफ को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बनाई। 19 बार की डब्ल्यूटीए टूर-स्तरीय विजेता, जिन्होंने अभी तक अपना पहला ग्रैंड स्लैम नहीं जीता है, ने अपनी जीत की राह में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबलेंका के खिलाफ मुकाबले के लिए जगह पक्की कर ली है।

इस जीत के साथ, एलिना ने अपनी जीत का सिलसिला 10 मैचों तक बढ़ा दिया है। क्वार्टरफाइनल में हुए एकतरफा मुकाबले में उन्होंने गॉफ को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से हराया। यह ग्रैंड स्लैम में उनका चौथा सेमीफाइनल है और ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहला। उनके नाम विंबलडन में दो और यूएस ओपन में एक सेमीफाइनल का रिकॉर्ड है। एलिना, जिन्होंने 2025 में ÷स्वस्थ होने और ऊर्जा प्राप्त करने÷ के लिए अपना सीज़न समय से पहले समाप्त कर दिया था, 31 वर्षीय खिलाड़ी वापसी के बाद से शानदार फॉर्म में हैं।

उन्होंने इस महीने की शुरुआत में ऑकलैंड में अपना 19वां खिताब जीता और अपने करियर की तीसरी सबसे लंबी जीत की लय पर हैं (2017 में उन्होंने लगातार 15 मैच जीते थे, और 2025 में उन्होंने लगातार 11 मैच जीते), जैसा कि डब्ल्यूटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर बताया गया है। उन्होंने अब तक केवल एक सेट गंवाया है, जो ऑकलैंड क्वार्टरफाइनल में सोनाय कार्टल के खिलाफ था। इस जीत के साथ उन्होंने अक्टूबर 2021 के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी की है।

उन्होंने डब्ल्यूटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा कि बुरा नहीं, बिल्कुल भी बुरा नहीं। मातृत्व अवकाश के बाद शीर्ष 10 में वापसी करना हमेशा से मेरा सपना रहा है, यही मेरा लक्ष्य रहा है। इससे पहले, सबलेंका ने 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी इवा जोविक के ऑस्ट्रेलियन ओपन के शानदार सफर को चकनाचूर कर दिया और रॉड लेवर एरिना में 90 मिनट से भी कम समय में 6-3, 6-0 से जीत हासिल की।

सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

मेलबर्न । बेलारुस की महिला टेनिस स्टार एरिना सबालेंका जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका कीइवा जोविक को 6-3, 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ये मैच तेज गरमी में खेला गया। सबालेंका ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और पहले सेट में ही 3-0 की बढ़त बना ली। अमेरिकी खिलाड़ी ने वापसी का प्रयास किया पर असफल रही। कीइवा ने नौवें गेम में ब्रेकअंक के तीन अवसर हासिल किये पर सबालेंका ने अपना दबदबा बनाये रखा। वहीं दूसरे सेट में सबालेंका ने दो अंक लेकर 5-0 की बढ़त बनाई और जैच जीत लिया। सबालेंका ने मैच के कहा, पिछले कुछ दौर में मुझे उभरती खिलाड़ियों से कड़ संघर्ष के बाद जीत मिली। ये मैच भी उन्हीं में से एक था। इस प्रकार के मुकाबले खेलने से ही खेल का स्तर बढ़ता है।

टी20 मुकाबले दिन में कराये जायें : अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट मुकाबले दिन के समय होने चाहिये। अभी ये मुकाबले रात में होते हैं। अश्विन ने कहा कि आने वाले समय में मैचों को दिन में रखने से गेंदबाजों को भी सहयता मिलेगी जिससे गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बना रहेगा। अश्विन ने कहा कि अभी रात में मैच होने से बल्लेबाज हावी रहते है और बड़ा लक्ष्य भी हासिल कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय टीम ने 200 रनों से अधिक का लक्ष्य पांच ओवर पहले ही हासिल कर लिया। जिससे समझा जा सकता है कि ओस के दौरान गेंदबाजी करना कितना कठिन होता है। ऐसे में मैच में गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं रह जाता है।

अश्विन ने कहा कि ओस के कारण गेंदबाजों के लिए असर डालना असंभव सा होता है। अश्विन ने पर कहा, 'भारत की बल्लेबाजी के दौरान न्यूजीलैंड के गेंदबाज निराश दिखे थे। ऐसी ओस में टीमों को खेलने के भेजना सहीं नहीं है। ऐसे हालात में क्रिकेट कौशल की जरूरत ही नहीं पड़ती।,' वहीं अगर इन्हीं पिचों पर दोपहर में मैच खेले जायें तो 150 से 170 रन भी मुश्किल से बनें।'अश्विन के अनुसार ओस के कारण अच्छी गेंद पर भी रन बन जाते हैं। इसलिए इस प्रकार के असंतुलन' को हटाना जरुरी हैं। दिन और रात में विकेट में काफी अंतर होता है। भारत में ऐसा होता ठीक नहीं है। बहुत ही गलत है अच्छी गेंद पर भी रन बन जाते हैं और गेंदबाजों के पास कोई विकल्प नहीं बचता। बल्ले और गेंद के बीच का असंतुलन काफी रहता है।,'

अश्विन ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि न्यूजीलैंड अपनी गेंदबाजों में बदलाव के लिए नहीं बढ़ेगा क्योंकि वह जानता है कि गेंदबाजों के हाथ में ज्यादा कुछ नहीं था। वहीं कई बार ऐसा होता है कि टीमें इस प्रकार के माहौल में हालात नहीं देखते हुए खिलाड़ी को बाहर कर देती हैं। इस दौरान ये नहीं देखा जाता कि खिलाड़ी के हाथ में कुछ नहीं था।

जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, इस मुकाम तक पहुंचने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

कोलंबो (श्रीलंका) (एजेंसी)। अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दूसरे इंग्लैंड खिलाड़ी बन गए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने मंगलवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। 35 वर्षीय खिलाड़ी दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन से ठीक पीछे हैं जिन्होंने इंग्लैंड के लिए सभी फॉर्मेट में सबसे ज्यादा मैच खेले हैं।

विश्व क्रिकेट के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक एंडरसन ने श्री लायंस के लिए 401 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस महान क्रिकेटर ने सभी फॉर्मेट में 991 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर बटलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 14 शतकों के साथ 12291 रन बनाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में बटलर ने 57 मैचों और 100 पारियों में 31.94 की औसत से 2907 रन बनाए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सबसे लंबे फॉर्मेट में दो शतक और 18 अर्धशतक बनाए हैं। वनडे में बटलर ने 198 मैचों और 171 पारियों में 39.11 की औसत से 5515 रन बनाए हैं। 35 वर्षीय खिलाड़ी ने 11 शतक और 29 अर्धशतक बनाए हैं।

टी20आई में बटलर ने 144 मैचों और 132 पारियों में 35.49 की औसत से 3869 रन बनाए हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 1 शतक और 28 अर्धशतक

लगाए हैं। दो बार ICC व्हाइट-बॉल खिताब जीत चुके बटलर आगामी ICC पुरुष टी20 विश्व कप 2026 का भी हिस्सा हैं, जो 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है। इंग्लैंड ने आगामी ICC टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक को कप्तान बनाया गया है। इंग्लैंड 8 फरवरी को नेपाल के खिलाफ अपने टी20 वर्ल्ड कप 2026 अभियान की शुरुआत करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए इंग्लैंड टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जोश टंग, ल्यूक वुड।

पीसीबी प्रमुख नकवी ने बांग्लादेश को विश्वकप बहिष्कार के लिए भड़काया : राजीव शुक्ला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को टी20 विश्कवप का बहिष्कार करने के लिए उकसाया था। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने आरोप लगाया है कि इस सब के पीछे पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक़वी हैं। नकवी ने ही बीसीबी को भारत में नहीं खेलने के लिए भड़काया था। टी20 विश्वकप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। बंग्लादेश बोर्ड ने सुरक्षा कारणों से भारत में इस टूर्नामेंट को खेलने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उसकी जगह पर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर लिया था। शुक्ला ने कहा कि पीसीबी ने इस मामले में एक प्रकार से साजिश की है। उन्होंने कहा, पीबीबी ने बिना किसी कारण के इस मामले में बांग्लादेश को भड़कायाहै। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान ने पूर्व में बांग्लादेश के लोगों पर क्या अत्याचार किए हैं और अब वे उन्हें गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जो पूरी तरह गलत है। शुक्ला ने साफ कहा कि बीसीसीआईद्ध चाहती थी कि बांग्लादेश टूर्नामेंट में खेले। हम चाहते थे कि बांग्लादेश खेले और हमने उन्हें पूरी सुरक्षा का आश्वासन भी दिया था प जब उन्होंने यह फैसला ले लिया, तो अंतिक समय पर कार्यक्रम में बदलाव करना संभव नहीं था। इसी वजह से स्कॉटलैंड को शामिल किया गया।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में वैभव सूर्यवंशी का तूफान, जिम्बाब्वे के खिलाफ ठोका शानदार अर्धशतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर अपने आक्रामक खेल से सुर्खियों में आ गए हैं। अंडर-19 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए अहम मुकाबले में वैभव ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाज़ी करते हुए शानदार अर्धशतक जड़ा। उनकी यह पारी भले ही शतक में नहीं बदल सकी, लेकिन भारत को मजबूत शुरुआत दिलाने में निर्णायक साबित हुई। लगातार दूसरे मैच में फिफ्टी लगाकर वैभव ने यह साफ कर दिया है कि वह इस टूर्नामेंट में भारत के सबसे अहम बल्लेबाजों में से एक हैं।

पावरप्ले में वैभव का आक्रामक तेवर

बुलवायों में खेले जा रहे इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे के गेंदबाज़ों पर दबाव बना दिया। उन्होंने बिना समय गंवाए बड़े शॉट खेलने शुरू किए और मैदान के चारों ओर रन बटोरे। उनकी बल्लेबाज़ी में आत्मविश्वास और आक्रामकता साफ झलक रही थी, जिससे जिम्बाब्वे की टीम बैकफुट पर चली गई।

30 गेंदों में 52 रन, स्ट्राइक रेट ने मचाया धमाल

वैभव ने इस मैच में सिर्फ 30 गेंदों का सामना करते हुए 52 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से चार चौके और चार लंबे छक्के निकले। 173.33 के स्ट्राइक रेट से खेली गई यह पारी टी20 अंदाज़ की याद दिलाने वाली थी, जिसने भारत को तेज़ शुरुआत दी। जब वैभव आउट हुए, तब टीम का स्कोर 101 रन था, जिसमें आधे से ज़्यादा रन अकेले उनके खाते में थे।

एरॉन जॉर्ज और कप्तान आयुष म्हात्रे का योगदान

वैभव के साथ पारी की शुरुआत करने वाले एरॉन जॉर्ज ने भी शुरुआती ओवरों में तेज़ बल्लेबाज़ी की। उन्होंने 16 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए, जिससे भारत की रनगति बनी रही। इसके बाद कप्तान आयुष म्हात्रे क्रीज पर आए और उन्होंने 19 गेंदों में 21 रन जोड़े। अपनी पारी में कप्तान ने एक चौका और दो छक्के लगाए। हालांकि, कप्तान के आउट होने के तुरंत बाद वैभव भी पवेलियन लौट गए, जिससे भारत को एक साथ दो झटके लगे।

वर्ल्ड कप में दूसरा अर्धशतक, लगातार दिखा दम

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह अर्धशतक वैभव सूर्यवंशी का अंडर-19 वर्ल्ड कप में दूसरा अर्धशतक रहा। इससे पहले उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ भी शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए 72 रन बनाए थे। उस पारी में उन्होंने 67 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाए थे। हालांकि वह पारी अपेक्षाकृत धीमी थी, लेकिन उसमें शतक की पूरी उम्मीद नजर आ रही थी।

अनिश्चितता ही वैभव की सबसे बड़ी ताकत

वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाज़ी की सबसे बड़ी खासियत उनकी अनिश्चितता है। जिस अंदाज़ में वह शॉट्स खेलते हैं, उससे गेंदबाज़ और फील्डर दोनों ही अंदाज़ा नहीं लगा पाते कि अगली गेंद पर क्या होने वाला है। यही वजह है कि वह विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखते हैं।

महिला प्रीमियर लीग अंक तालिका में आरसीबी शीर्ष पर बरकरार

नवी मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम पिछले दो मैचों में मिली हार के बाद भी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में नंबर एक पर बनी हुई है। टीम को अबतक पांच जीत मिली है। आरसीबी ने पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है हालांकि लीग चरण के अंतिम दो मुकाबलों में उसे हार मिली थी। इससे टीम का फाइनल तक का प्रवेश बाधित हुआ है। हालांकि अभी भी टीम अंक तालिका में सबसे ऊपर है। अन्य कोई टीम अभी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी है। अब तक आरसीबी के सबसे अधिक 10 अंक हैं। वहीं दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के 6 अंक पर पर ये उसने 7 मैचों में हासिल किये हैं। गुजरात जायंट्स के भी 6 अंक हैं पर नेट रन रेट मुम्बई का अधिक होने के कारण वह दूसरे नंबर पर है। गुजरात तीसरे और दिल्ली कैपिटल्स चौथे नंबर पर है। दिल्ली की टीम भी 6 में से 3 मुकाबले जीतकर तीसरे नंबर पर है। वहीं यूपी वॉरियर्स 6 में से 2 ही मुकाबले जीतकर अंतिम स्थान पर है। अब यूपी वॉरियर्स के पास प्लेऑफ के लिए जगह बनाने का अंतिम अवसर है पर इसके लिए यूपी को अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे। इनमें से उसका एक मैच आरसीबी और एक मैच दिल्ली के खिलाफ है। अभी आरसीबी के क्वालीफाई करने के बाद भी चारों टीमों के पास प्लेऑफ में जगह बनाने का अवसर है। इसमें दूसरे और तीसरे नंबर की टीम को एलिमिनेटर खेलना है, जबकि शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी।

एचआईएल 2025-26: हॉकी इंडिया लीग फाइनल में कलिंगा लांसर्स की जीत, दूसरी बार बने चैंपियन

भुवनेश्वर (एजेंसी)। हॉकी इंडिया लीग (HIL) 2025-26 का खिताब ने अपने नाम कर लिया। भुवनेश्वर में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में लांसर्स ने रांची रॉयल्स को 3-2 से हराकर दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। घरेलू दर्शकों के सामने खेले गए इस मुकाबले में बेल्जियम के ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने शानदार प्रदर्शन किया।

अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स की चमक, दिलप्रीत ने दिया अहम योगदान

फाइनल में अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स (4वें और 27वें मिनट) ने दो शानदार गोल दागकर कलिंगा लांसर्स की जीत की नींव रखी। इसके अलावा दिलप्रीत सिंह (25वां मिनट) ने रिबाउंड पर तेजी दिखाते हुए गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई।

रांची रॉयल्स की ओर से अराइजीत सिंह हुंडाल (9वां मिनट) और कप्तान टॉम बून (59वां मिनट) ने गोल किए, लेकिन टीम जीत तक नहीं पहुंच सकी।

तेज़ रफ्तार से शुरू हुआ फाइनल मुकाबला

फाइनल मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। दोनों टीमों ने शुरुआती मिनटों से ही लगातार सर्कल एंट्री बनाईं। चौथे मिनट में कलिंगा लांसर्स को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर हेंड्रिक्स ने ताकतवर ड्रैग-फ्लिक से गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

हुंडाल का शानदार जवाब, स्कोर हुआ बराबर

हालांकि लांसर्स की बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। नौवें मिनट में यशदीप सिवाच ने लेफ्ट फ्लैंक से शानदार पास निकाला, जिसे अराइजीत सिंह हुंडाल ने बेहतरीन कंट्रोल के बाद गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में लांसर्स का दबदबा

दूसरे क्वार्टर में कलिंगा लांसर्स ने लगातार दबाव बनाया और कई पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। 25वें मिनट में हेंड्रिक्स के ड्रैग-फ्लिक को गोलकीपर सूरज करकेरा ने रोका, लेकिन दिलप्रीत सिंह ने रिबाउंड पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए गोल दाग दिया।

इसके दो मिनट बाद ही हेंड्रिक्स ने एक और सटीक ड्रैग-फ्लिक के जरिए स्कोर 3-1 कर दिया और लांसर्स हाफ टाइम तक मजबूत स्थिति में पहुंच गए।

दूसरे हाफ में रांची की जोरदार वापसी की कोशिश

ब्रेक के बाद रांची रॉयल्स ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और संयम के साथ वापसी की कोशिश की। 36वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान टॉम बून का शॉट पहले रशर ने रोक दिया। तीसरे क्वार्टर के अंत में हुंडाल को गोल का बेहतरीन मौका मिला, लेकिन कलिंगा लांसर्स के गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने शानदार बचाव कर टीम को राहत दी।

आखिरी क्वार्टर में पाठक बने दीवार

चौथे क्वार्टर में खेल लगभग पूरी तरह कलिंगा लांसर्स के हाफ में सिमट गया। रांची रॉयल्स ने लगातार हमले किए, लेकिन कृष्ण बहादुर पाठक ने सैम लेन, टॉम बून और नीलम संजीप जेस के शॉट्स को रोकते हुए कई बेहतरीन सेव कीं।

59वें मिनट में टॉम बून ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर स्कोर 3-2 किया, लेकिन समय की कमी के चलते रांची बराबरी नहीं कर सकी।

कलिंगा लांसर्स का दूसरा HIL खिताब

यह कलिंगा लांसर्स का दूसरा हॉकी इंडिया लीग खिताब है। इससे पहले टीम ने 2017 में भी चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। दिन के पहले मुकाबले में हैदराबाद तूफान्स ने HIL GC को 4-3 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

HIL 2025-26 के व्यक्तिगत पुरस्कार

फेयरप्ले अवॉर्ड: HIL GC

बेस्ट गोलकीपर ऑफ द टूर्नामेंट: प्रिंस दीप सिंह (तमिलनाडु ड्रैगन्स)

इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: तालिम प्रियबर्ता (HIL GC)

टॉप स्कोरर ऑफ द टूर्नामेंट: टॉम बून (19 गोल)

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: अमनदीप लकरा (हैदराबाद तूफान्स)

स्कॉटलैंड ने टी20 विश्वकप के लिए घोषित की टीम, बेरिंगटन करेंगे कप्तानी

एडिनबर्ग । स्कॉटलैंड ने अगले माह होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश के विश्वकप से हटने के बाद स्कॉटलैंड को शामिल किया है। इस टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड की कप्तानी रिची बेरिंगटन करेंगे। 15 सदस्यीय टीम के साथ ही जैस्पर डेविडसन और जैक जार्विस को ट्रैवल रिजर्व के तौर पर रखा गया है। वहीं मैकेंजी जोन्स, क्रिस मैकब्राइड, चार्ली टियर नॉन ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर टीम में रखे गये हैं। स्कॉटलैंड की टीम को बांग्लादेश की जगह पर टूर्नामेंट के ग्रुप सी में रखा गया है। इस ग्रुप में स्कॉटलैंड के साथ वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, इटली और नेपाल की टीमें भी शामिल हैं। स्कॉटलैंड को अपने सभी लीग मैच भारत में खेलने हैं। टीम को तीन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स क्रिकेट स्टेडियम में जबकि उसका अंतिम आखिरी लीग मैच मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड को 7 फरवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दोपहर 3:00 बजे से खेलना है। वहीं 09 फरवरी को इटली से भी कोलकाता में ही खेलना है पर ये मैच सुबह 11 बजे शुरु होगा। वहीं उसका 14 फरवरी को इंग्लैंड से मुकाबला भी कोलकाता में दोपहर तीन बजे से होगा। उसका अंति मैच 17 फरवरी को कोलकाता में नेपाल के खिलाफ शाम 7 बजे से होगा।

टीम इस प्रकार है : रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस, ब्रैडली करी, ओलिवर डेविडसन, क्रिस ग्रीव्स, जैनुल्लाह इहसान, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, फिनले मैककीथ, ब्रैंडन मैकमुलन, जॉर्ज मुन्सी, सफयान शरीफ, मार्क वाट, ब्रैडली व्हील।

ट्रैवलिंग रिजर्व प्लेयर : जैस्पर डेविडसन, जैक जार्विस।

नॉन ट्रैवलिंग रिजर्व प्लेयर : मैकेंजी जोन्स, क्रिस मैकब्राइड, चार्ली टियर।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव 6,000 डॉलर पार जाने की संभावना

- केंद्रीय बैंकों की भारी खरीद ने सोने की कीमतों को दिया बढ़ावा

नई दिल्ली ।

सोने की कीमतें सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में इतिहास रचते हुए 5,000 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गईं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले महीनों में यह 6,000 डॉलर तक जा सकती हैं। वै श्विक बाजार के विश्लेषकों ने 2026 के अंत तक सोने की कीमत 5,400 डॉलर होने का अनुमान लगाया है। उनका मानना है कि अनिश्चितता के कारण सोना और ऊ ंचाइयों तक जा सकता है। जंग, राजनीतिक खींचतान और आर्थिक अस्थिरता ने निवेशकों को शेयर बाजार से दूर कर दिया है। अमेरिका और नाटो के बीच तनाव, व्यापार शुल्क को लेकर असमंजस और अमेरिकी मध्यावधि चुनाव जैसी घटनाओं ने बाजार की बेचैनी बढ़ा दी है। इस माहौल में सोना निवेशकों के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प बन गया है। केंद्रीय बैंकों की भारी खरीद ने सोने की कीमतों को बढ़ावा दिया है। विश्लेषकों के अनुसार उभरते देश हर महीने औसतन 60 टन सोना खरीद रहे हैं। पोलैंड अपने भंडार को 700 टन तक बढ़ाने की योजना में है, जबकि चीन लगातार 14 महीने से सोना खरीद रहा है। देशों का रुझान डॉलर से दूरी बनाकर सोने की ओर बढ़ रहा है। सोने से जुड़े ईटीएफ में भी भारी निवेश देखा गया। 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 89 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश हुआ। ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद ने सोने की चमक और बढ़ा दी है। भारत और यूरोप में लोग छोटी ईंटें और सिक्के खरीदने में सक्रिय हैं, जबकि गहनों की मांग थोड़ी कम हुई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि सोने की थोड़ी गिरावट भी निवेशकों के लिए अवसर साबित होगी। फिलहाल वैश्विक शांति और आर्थिक स्थिरता दूर नजर आती है, इसलिए सोना सुरक्षित निवेश और भरोसेमंद संपत्ति के रूप में अपनी चमक बनाए हुए है।

बजट में रिसाइक्लिंग इंडस्ट्री की मांग: जीएसटी कम होगा तभी उद्योग बढ़ेगा

नई दिल्ली । मटेरियल रिसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) ने जयपुर में आयोजित तीन दिन के इंटरनेशनल मटेरियल रिसाइक्लिंग कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपोजिशन 2026 में केंद्रीय बजट में बदलाव की मांग की। एसोसिएशन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि स्क्रैप पर 18 फीसदी उद्योग की ग्रोथ रोक रहा है और बहुत सारी गतिविधिया अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर में जा रही हैं। मेहता ने कहा कि हाई टैक्स की वजह से कैश में ट्रांजेक्शन बढ़ रहे हैं, जिससे स्क्रैप कलेक्शन का पहला स्तर ही फॉर्मल नहीं बन पा रहा। उन्होंने मांग की कि जीएसटी को 5 फीसदी तक घटाया जाए। इसके साथ ही उन्होंने डिजिटल पेमेंट्स, जैसे यूपीआई, को बढ़ावा देने पर जोर दिया ताकि अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर को फॉर्मल इकोनॉमी में लाया जा सके। एमआरएआई ने अल्यूमिनियम स्क्रैप पर इंपोर्ट ड्यूटी पूरी तरह हटाने की अपील की। इसके अलावा ई-वेस्ट, प्लास्टिक और टायर सेक्टर्स में एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) नियमों को सख्ती से लागू करने की भी मांग की गई। उन्होंने बताया कि देश में स्क्रैप का लगभग एक तिहाई हिस्सा रगपिकर्स, घरों और छोटे वर्कशॉप्स से आता है।

सोना 1.59 लाख और चांदी के भाव 3.59 लाख के पार

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी रिकॉर्ड तेजी के बाद नरमी देखी गई

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुएं ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंच गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करते नजर आए, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीते सत्र में नया उच्च स्तर बनाने के बाद आज इनमें हल्की नरमी देखी गई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट मजबूत शुरुआत के साथ 2,637 रुपये की तेजी लेकर 1,58,674 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,56,037 रुपये था। इस समय सोने का वायदा भाव 2,447 रुपये की तेजी के साथ 1,58,484 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबारी सत्र के दौरान सोने ने 1,59,820 रुपये का उच्च स्तर छू लिया, जबकि दिन का निचला स्तर 1,57,500 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 5,125 रुपये की बढ़त के साथ 3,39,824 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,34,699 रुपये था। इस समय चांदी का वायदा भाव 21,287 रुपये की तेजी के साथ 3,55,986 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था। सत्र के दौरान चांदी ने 3,59,800 रुपये प्रति किलो का सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स पर सोना और चांदी रिकॉर्ड तेजी के बाद आज कुछ नरम पड़े। सोना 5,005.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने के समय 15.10 डॉलर की गिरावट के साथ 5,067.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। हालांकि, इसने दिन में 5,107.90 डॉलर का उच्च स्तर छुआ। वहीं, चांदी 104.01 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 4.65 डॉलर की गिरावट के साथ 110.85 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी, जबकि इसका उच्चतम स्तर 117.70 डॉलर रहा।

पीएम ई-ड्राइव सब्सिडी मार्च 2026 के बाद भी रहे जारी: ई-दोपहिया कंपनियां

कंपनियों ने कहा, सब्सिडी हटने पर बढ़ जाएगी इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमत

नई दिल्ली ।

भारत की इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनियां सरकार से आग्रह कर रही हैं कि पीएम ई-ड्राइव स्कीम की सब्सिडी मार्च 2026 के बाद भी जारी रहे। कंपनियों का कहना है कि सब्सिडी ग्राहकों के लिए वाहन की कीमत कम करती है और अचानक बंद होने पर छोटे समय में मांग पर असर पड़ सकता है। जुपेरिया ऑटो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि सब्सिडी हटने पर इलेक्ट्रिक स्कूटर की सड़क पर कीमत 6,000 से 12,000 रुपये तक बढ़ सकती है। ईवियम स्मार्ट मोबिलिटी के अधिकारी के अनुसार सब्सिडी का प्रभाव सभी ग्राहकों पर समान नहीं होता। रिटेल ग्राहक जल्दी खरीदारी में सब्सिडी पर निर्भर रहते हैं, जबकि फ्लीट ऑपरेटर और लंबे रूट वाले ग्राहक कुल खर्च, अपटाइम और सर्विस को महत्व देते हैं। उनके अनुसार, बिना सब्सिडी भी बिक्री रुकती नहीं, केवल निर्णय में समय लगता है। कंपनियां यह भी मांग कर रही हैं कि वित्त वर्ष 26 के बाद स्पष्ट मीडियम-टर्म नीति हो, ताकि फैक्ट्रियां बढ़ाई जा सकें, डीलर नेटवर्क मजबूत हो और पार्ट्स देश में ही बनें।

जेलियो ई-मोबिलिटी ने सुझाव दिया कि बजट 2026 में इलेक्ट्रिक कंपोनेंट्स और मैन्युफैक्चरिंग को सपोर्ट मिले, जिससे टियर-2/3 शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन सस्ते हों और सब्सिडी पर निर्भरता कम हो।

स्विगी के तीसरी तिमाही नतीजों से पहले बाजार में हलचल तेज

- ग्रोथ तेज लेकिन घाटा थमने का नाम नहीं ले रहा

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी गुरुवार को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी करने जा रही है। नतीजों से पहले बाजार और निवेशकों में हलचल तेज है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि मजबूत ग्रोथ के बावजूद क्या कंपनी मुनाफे के करीब पहुंच पाएगी या घाटा और बढ़ेगा। ब्रोकरेज रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिसंबर तिमाही में स्विगी का शुद्ध घाटा बढ़कर करीब 983 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 693.6 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था, जबकि पिछली तिमाही में घाटा 953.6 करोड़ रुपयेरहा था। आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि फिलहाल घाटा कम होने के बजाय बढ़ता नजर आ रहा है। हालांकि घाटे के बीच कमाई के मोर्चे पर स्विगी की तस्वीर मजबूत दिख रही है। अनुमान है कि तीसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 48 फीसदी बढ़कर करीब 5,909 करोड़ रुपये हो सकता है। तिमाही आधार पर भी रेवेन्यू में लगभग 6 फीसदी की बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है।

अदाणी समूह और एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण में करेंगे साझेदारी

- भारत में साझेदारी के माध्यम से लागत प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार करने की योजना

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर ने मंगलवार को एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजार में छोटे और मझोले शहरों के हवाई संपर्क को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्रालय में आयोजित समारोह में सहयोग की घोषणा की गई। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल विमानों के संयोजन तक सीमित नहीं है।

इसमें प्रगतिशील प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और भारत को क्षेत्रीय विमानों का एक विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र बनाने की योजना शामिल है।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस सहयोग के तहत भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। दोनों कंपनियां भारत में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक फाइनल असेंबली लाइन भी स्थापित करेंगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के एक अे धिकारी ने कहा कि यह कदम देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। एम्ब्रेयर 150 सीट तक के वाणिज्यिक जेट विमानों का निर्माण करती है और भारत में इस साझेदारी के माध्यम से लागत प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार करने की योजना है। इस साझेदारी से अदाणी समूह भारतीय विमानन उद्योग में विमान निर्माण के क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है।

बैंकों की हड़ताल: डिजिटल और एटीएम सेवाएं जारी रहेंगी

नई दिल्ली । बैंक यूनियनों की तरफ से मंगलवार को पूरे दिन हड़ताल का ऐलान किया गया है। इस वजह से बैंक शाखाओं में कामकाज थोड़ी देर के लिए प्रभावित हो सकता है। कई कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल रहेंगे, लेकिन बैंक और सरकार ने ग्राहकों की परेशानी कम करने के लिए तैयारियां की हैं। बैंकों ने भरोसा दिलाया है कि एटीएम में पर्याप्त नकदी उपलब्ध है और जरूरत पड़ने पर समय पर कैश भरा जाएगा। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, कार्ड पेमेंट और अन्य डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से काम करती रहेंगी। सरकारी लेन-देन और अन्य जरूरी बैंकिंग सेवाएं जारी रहेंगी। ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट के जरिए भी सेवाएं दी जाएंगी। सोमवार को वित्तीय सेवा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें एसबीआई चेयरमैन, सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के एमडी/सीईओ और आईबीए प्रमुख शामिल थे। बैंकों को निर्देश दिए गए कि हड़ताल के बावजूद ग्राहक सेवाएं बिना रुकावट चलती रहें।

एमसीएक्स के तिमाही नतीजों से शेयरों में 6 फीसदी से अधिक तेजी

कंपनी का नेट प्रॉफिट 151 फीसदी बढ़ा, शेयर खरीदने की मची लूट

मुंबई । मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) के तिमाही नतीजों ने निवेशकों को खुश कर दिया है। दिसंबर तिमाही 2025 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 401 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 160 करोड़ रुपये था। यानी सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 151 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एमसीएक्स का दिसंबर तिमाही का रेवन्यू 666 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल इसी तिमाही के 301 करोड़ रुपये से 121 प्रतिशत अधिक है। ऐ बिटा भी इसी दौरान 527 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। ये आंकड़े कंपनी के ऑपरेशन्स की मजबूत स्थिति को दर्शाते हैं। बीएसई में मंगलवार को एमसीएक्स के शेयर 2385.40 रुपये पर खुलने के बाद 2428.30 रुपये तक पहुंचकर 6.38 फीसदी की तेजी पर कारोबार कर रहे थे। यह कंपनी के 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 2498 रुपये के काफी करीब है। एमसीएक्स का शेयर लंबे समय से निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे रहा है। पिछले 6 महीनों में शेयर में 48 फीसदी की तेजी, एक साल में 113 फीसदी, दो साल में 269 फीसदी और पिछले पांच साल में 620 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। इस प्रदर्शन के कारण इसे एक मल्टीबैगर स्टॉक के रूप में देखा जाता है।

सरकारी बॉन्ड बाजार में वित्त वर्ष 27 में बढ़ सकता है दबाव

- 30.5 लाख करोड़ तक पहुंच सकती है केंद्र और राज्यों की बॉन्ड सप्लाई

नई दिल्ली । नई विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन योजना के तहत अब राज्यों पर अधिक खर्च का बोझ आया है। इसके चलते अगले वित्त वर्ष 27 में राज्यों को अतिरिक्त उधारी करनी पड़ सकती है। अनुमान है कि केंद्र और राज्यों दोनों की कुल बॉन्ड सप्लाई 30.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। इसमें केंद्र सरकार की उधारी लगभग 16.5 लाख करोड़ रुपये और राज्यों की उधारी 14 लाख करोड़ रुपये होगी। चालू वित्त वर्ष में कुल सरकारी बॉन्ड सप्लाई लगभग 27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच रही है, जिसमें राज्यों का हिस्सा 12.45 लाख करोड़ रुपये है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भारी सप्लाई से यील्ड पर दबाव बढ़ेगा और निवेशकों की चिंता बढ़ सकती है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 20 सालों में राज्यों की बाजार से उधारी तेजी से बढ़ी है।` वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में राज्यों की उधारी 21 फीसदी बढ़ चुकी है। आने वाले वित्त वर्ष में लगभग 5.5 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड मैच्योर होने हैं। इसके कारण नकदी पर असर पड़ सकता है। आरबीआई इसे लंबी अवधि के बॉन्ड में स्विच या ट्रेजरी बिल जारी कर संतुलित कर सकता है। कोटक महिंद्रा एएमसी के अनुसार वित्त वर्ष 27 में सरकार का राजकोषीय घाटा 4.3 फीसदी के दायरे में रह सकता है। फिर भी, भारी मैच्योरिटी और बढ़ती सप्लाई के कारण बाजार पर दबाव बना रहेगा। आईडीएफसी बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू बचत की कमी और बढ़ती बॉन्ड सप्लाई से आरबीआई पर निर्भरता बढ़ गई है। इसके चलते 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.60-6.70 फीसदी के दायरे में बनी रहने की संभावना है।

भारत और ईयू के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर बनी सहमति

136 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को मिलेगी रफ्तार, वार्ता पूरी

नई दिल्ली । भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत पूरी हो गई है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इसकी औपचारिक घोषणा जल्द हो सकती है। रैटिफिकेशन प्रक्रिया में करीब छह महीने लग सकते हैं, जिससे यह समझौता 2027 की शुरुआत से लागू हो सकेगा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि समझौता भारत के दृष्टिकोण से संतुलित और भविष्य उन्मुख है। समझौते के मसौदे की कानूनी जांच (लीगल स्क्रबिंग) चल रही है। इसका उद्देश्य अगले पांच से छह महीनों में प्रक्रिया पूरी कर हस्ताक्षर करना है। यह भारत का पिछले पांच वर्षों में आठवां व्यापार समझौता होगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इसे सभी सौदों की जननी बताया है। वित्त वर्ष 2025 में भारत और ईयू के बीच द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर का है, जिसमें भारत का निर्यात 75.85 अरब डॉलर और आयात 60.68 अरब डॉलर है। इस समझौते से कपड़ा, दवा, स्टील, पेट्रोलियम उत्पाद और मशीनरी पर टैरिफ में कमी होगी। भारतीय कंपनियों को अमेरिका के ऊंचे टैरिफ से होने वाले झटकों से निपटने में मदद मिलेगी और चीन पर निर्भरता कम होगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 319, निफ्टी 126 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच व्यापार करार से भी बाजार में उत्साह आया और वह उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक बढ़कर 81,857.48 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.75 अंक ऊपर आकर 25,175.40 पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी मेटल और बैंकिंग शेयरों के कारण आई। इस कारण निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी इंडिया डिफेंस निफ्टी पीएसई और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑटो , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल् के शेयर गिरावट पर बंद हुए।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 338 अंक बढ़कर 57,483.65 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 66.60 अंक उछलकर 16,419.35 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, इन्फोसिस, एचसीएल के शेयर लाभ में रहे जबकि एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, इटरनल, मारुति सुजुकी, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाइटन, एचयूएल और भारती एयरटेल के शेयर गिरे। बाजार में आज के सत्र में उतार-चढ़ाव हावी रहा पर

यूरोपीय यूनिया से करार से बाजार को बल मिला पर बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के डर के कारण ऑटो और बेवरेज शेयर नीचे आये।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट साथ खुले। सेंसेक्स 81,436 अंक पर लगभग सपाट खुला, लेकिन कुछ ही देर में बिकवाली हावी हो गई। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 424.17 अंक की गिरावट के साथ 81,113.53 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 भी 25,063 अंक पर सपाट खुलने के बाद फिसल गया और 112.60 अंक गिरकर 25,019 पर ट्रेड करता दिखा। यूरोप से गाड़ियों के आयात पर टैरिफ कम किए जाने की संभावनाओं की खबरों से ऑटो सेक्टर के शेयरों पर दबाव बना रहा। वहीं एशियाई शेयर बाजारों में हल्का उतार-चढ़ाव देखा गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया पर ज्यादा टैरिफ लगाने की चेतावनी दी। इससे निवेशकों की चिंता बढ़ी। शुरुआती गिरावट के बाद दक्षिण कोरिया का कॉपी इंडेक्स संभला और करीब 0.7 फीसद तक ऊपर आया। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.1फीसदी ऊपर था। वहीं सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

इंश्योरेंस सेक्टर की नजरें बजट पर, टैक्स छूट बढ़ाने की मांग

- पॉलिसीधारकों को मिल सकता है सीधा फायदा!

नई दिल्ली । हाल ही में प्रीमियम पर जीएसटी घटने से इंश्योरेंस सस्ता हुआ है। बंधन लाइफ इंश्योरेंस के एक वे रिष्ठ अधिकारी के अनुसार बदलाव से लोगों के लिए इंश्योरेंस आसानी से उपलब्ध हो रहा है। इंडस्ट्री चाहती है कि प्रोटेक्शन और हेल्थ प्लान्स पर दोनों टैक्स सिस्टम में अधिक लाभ मिले। इससे ज्यादा परिवारों को कवर मिलेगा। ट्रेडिशनल पॉलिसीज में मैच्योरिटी पर टैक्स-फ्री लिमिट 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख की मांग है। यू लिप के लिए भी टैक्स-फ्री मैच्योरिटी 5 लाख तक करने की उम्मीद है। पेंशन प्रोडक्ट्स को ज्यादा समर्थन और सेक्शन 80डी में डिडक्शन बढ़ाने की मांग है। वर्तमान में 60 साल से कम उम्र वालों के लिए 25 हजार और सीनियर सिटीजन के लिए 50 हजार की सीमा है, जिसे दोगुना करने की जरूरत बताई जा रही है। इसी तरह के बदलावों से भारत का फाइनेंशियल फ्यूचर मजबूत होगा और 2047 तक सभी के लिए इंश्योरेंस का लक्ष्य हासिल होगा।

चीन में चांदी सबसे महंगी, वैश्विक बाजार से 16 डॉलर प्रति औंस महंगी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव लगभग 109 डॉलर प्रति औंस

नई दिल्ली।

सोना और चांदी की कीमतें इस समय रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी हैं। खासतौर पर चांदी की कीमतों में तेजी ने निवेशकों को चौंका दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव लगभग 109 डॉलर प्रति औंस है, जबकि चीन में यह 125 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच चुका है। इसका मतलब चीन में चांदी अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में करीब 45 हजार रुपए प्रति किलो महंगी बिक रही है। भारत में चांदी चीन के मुकाबले लगभग 17 फीसदी सस्ती है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में चांदी की बढ़ी कीमतों का मुख्य कारण वहां की बेहद मजबूत मांग है। दुनिया की कुल चांदी आपूर्ति में चीन की हिस्सेदारी 65 फीसदी से अधिक है। यहां चांदी केवल आभूषणों तक सीमित नहीं है, बल्कि हाजिर (स्पॉट) और वायदा (फ्यूचर्स) बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश के लिए भी खरीदी जा रही है। चीनी निवेशक इसे सुरक्षित निवेश मानकर लगातार बड़ी मात्रा में खरीदारी कर रहे हैं, जिससे कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। चांदी की कीमतों में आई इस तेजी के पीछे चीन की बदली हुई निर्यात नीति भी अहम भूमिका निभा रही है। जनवरी से केवल सरकारी लाइसेंस वाली कंपनियां ही चांदी का निर्यात कर सकती हैं। इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्लाई पर पड़ा है और वैश्विक स्तर पर कीमतों को बढ़ावा मिला है। कॉमेक्स पर चांदी की

कीमतों में हाल ही में 8 फीसदी तक की तेजी देखी गई, हालांकि इस दौरान हल्की गिरावट भी दर्ज हुई है। चीन में चांदी की बढ़ी कीमतें और सख्त निर्यात नियम अंतरराष्ट्रीय बाजार पर सीधे असर डाल रहे हैं। निवेशक वैश्विक सप्लाई और चीन की मांग पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे चांदी की कीमतों में भविष्य में भी उतार-चढ़ाव की संभावना बनी हुई है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 27 पैसे की बढ़त के साथ ही 91.63 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.80 पर खुला, जो पिछले बंद भाव 91.70 से 10 पैसे अधिक है। यह सुधार शुक्रवार के 92 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर के बाद आया है। पिछले सप्ताह रुपया लगातार दबाव में रहा। शुक्रवार को कारोबार के दौरान यह 92 प्रति डॉलर तक गिर गया, हालांकि अंत में मामूली सुधार के साथ 91.90 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार डॉलर की कमजोरी के कारण रुपये में मामूली बढ़त देखी गई।

'सैयारा' फेम अहान पांडे से कंपैरिजन पर क्या बोले अहान शेट्टी?

पिछले साल अहान पांडे ने मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही। अहान पांडे एक चंकी पांडे के भतीजे और अनन्या पांडे के कजिन हैं। जल्द ही सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी भी फिल्म 'बॉर्डर 2' से अपनी तकदीर दोबारा लिखेंगे। इससे पहले उन्होंने छह साल पहले एक फिल्म 'तड़प' की थी। हाल ही जब अहान शेट्टी का कंपैरिजन, अहान पांडे से हुआ तो उन्होंने इस बारे में अपना नजरिया बताया। साथ ही पिता सुनील शेट्टी की एक सलाह का भी जिक्र किया।

क्या बोले अहान शेट्टी?

इंटरव्यू में अहान शेट्टी कहते हैं, 'आज लोग सिर्फ 2 से 3 मिनट की क्लिप देखकर ही रिएक्ट कर देते हैं। मैं जानता हूं कि मेरे और अहान पांडे के बीच कंपैरिजन हो रहा है। मैं अहान पांडे को जानता हूं। यह भी जानता हूं कि उसने फिल्म 'सैयारा' के लिए कितनी मेहनत की थी। हमारे बीच कोई रेस नहीं है। हम दोनों के अलग-अलग करियर हैं। हम दोनों एक-दूसरे की रेस्पेक्ट करते हैं। हम सब एक ही इंडस्ट्री का हिस्सा हैं लेकिन सोशल मीडिया के दौर में लोगों को एक-दूसरे का सपोर्ट नहीं दिखता है।'

अहान शेट्टी की डेब्यू फिल्म 'तड़प' नहीं चली थी। इसके बाद वह किसी फिल्म में नजर नहीं आए। अब छह साल बाद 'बॉर्डर 2' का हिस्सा बने हैं। ऐसे में पिता की एक सीख को वह काफी अहमियत देते हैं। वह बताते हैं कि पिता और अभिनेता सुनील शेट्टी ने फिल्मी दुनिया की एक कड़वी सच्चाई उन्हें बताई। अहान शेट्टी कहते हैं, 'पापा ने कहा था बाकी किसी फील्ड में जब आप गिरते हो तब आप दोबारा खड़े हो सकते हो। लेकिन जब आप फिल्मी दुनिया में गिरते हो, असफल होते हो तो तब दुनिया की नजर आपके ऊपर होती है। लोग आपको महसूस कराते हैं कि आप कुछ भी नहीं हो। लोगों को लगता है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के हीरो नासमझ हैं। लेकिन यह सच नहीं है। हम भी स्मार्ट लोग हैं।'

अपनी ही फिल्म 'लईकी लईका' में सरप्राइज देंगी राशा थडानी

फिल्म 'लईकी लईका' में राशा थडानी, मुंज्या फेम अभिनेता अभय वर्मा के साथ नजर आएंगी। फिल्म से मेकर्स ने पहला गाना 'छाप तिलक' रिलीज किया। खुद राशा ने भी इस गाने के रिलीज होने की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फैंस के साथ शेयर की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस गाने में क्या खास है?

सिंगर बनीं राशा

फिल्म के इस पहले गाने 'छाप तिलक' की खास बात यह है कि एक्ट्रेस राशा ने खुद गाया है। इस गाने के जरिए राशा ने बतौर सिंगर डेब्यू किया है। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया। फिल्म के इस पोस्टर में राशा हुडी पहने नजर आ रही हैं। पोस्टर पर एक तरफ पंजाब के शहर फरीदकोट का नाम लिखा हुआ है वहीं दूसरी तरफ राशा का नाम लिखा है। राशा ने अपने इस कदम से फैंस को बता दिया कि वो एक मल्टीटैलेंटेड एक्ट्रेस हैं।

इसी साल रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 'लईकी लईका' के पोस्टर हाल ही में रिलीज हुए हैं। इसे सौरभ गुप्ता ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म की कहानी प्यार, दर्द और भरोसे पर केंद्रित होगी। यह इसी साल मार्च-अप्रैल में रिलीज होगी।

तमन्ना ने किया सपोर्ट

राशा की इस पोस्ट पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने स्वीट रिएक्शन देते हुए लिखा- 'मैं इसका और इंतजार नहीं कर सकती।' इतना ही नहीं, तमन्ना ने राशा को सपोर्ट करते हुए एक इंस्टा स्टोरी भी साझा की। इसमें उन्होंने राशा के लिए लिखा- 'छुपी रुस्तम, क्या कमाल गाना गा रही हो..'

गोलमाल 5 पर रोहित और अजय ने शुरू किया काम, मुंबई में तैयार किए जा रहे हैं भव्य सेट्स

रोहित शेट्टी और अजय देवगन ने ने आने वाले दो वर्षों के लिए एक ठोस सिनेमाई रोडमैप तैयार कर लिया है। इस प्लान का सबसे अहम पड़ाव है सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइज की अगली किस्त गोलमाल 5, जिस पर अब आधिकारिक तौर पर काम शुरू हो चुका है। फिल्म सिर्फ एक और सीक्वल नहीं, बल्कि फ्रेंचाइज को नए स्तर पर ले जाने की कोशिश मानी जा रही है। यही वजह है कि इसकी तैयारी पेपर से निकलकर सीधे बड़े स्तर पर प्रैक्टिकल एक्जीक्यूशन में बदल चुकी है। इस बार रोहित ने अपनी पुरानी शूटिंग स्ट्रैटेजी में भी बड़ा बदलाव किया है। गोवा या रामोजी फिल्म सिटी के बजाय गोलमाल 5 का बेस मुंबई फिल्म सिटी रखा गया है। यहां फिल्म के लिए कैफे, पुलिस स्टेशन और एक भव्य हवेली जैसे कई सेट्स बनाए जा रहे हैं, जिन पर तेजी से काम चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, ये सभी सेट्स अगले महीने तक तैयार हो जाएंगे। फरवरी 2026 के अंत से फिल्म की रेगुलर शूटिंग शुरू होगी, ताकि लंबे मैराथन शेड्यूल को बिना रुकावट पूरा किया जा सके।

इस बार कहानी में एक फीमेल विलेन की भी होगी एंट्री

फिल्म की मुख्य स्टारकास्ट में इस बार अजय के साथ अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपदे और कुणाल क्येमू की वापसी लगभग तय मानी जा रही है, लेकिन इस बार सबसे बड़ा सरप्राइज शरमन जोशी की वापसी है, जो करीब 19 साल बाद गोलमाल फ्रेंचाइज में लौट रहे हैं। इसके अलावा, स्क्रिप्ट में एक और बड़ा बदलाव किया गया है। इस बार कहानी में एक फीमेल विलेन को अहम भूमिका दी गई है।

धमाल 4 में कॉमेडी के साथ एक्शन भी दिखेगा

अजय के करियर के लिहाज से साल 2026 बेहद व्यस्त और अहम रहने वाला है। गोलमाल 5 के अलावा उनके पास दृश्यम 3, धमाल 4 और जगन शक्ति के निर्देशन में बन रही एक्शन फिल्म रेंजर भी लाइनअप में है। दृश्यम 3 की रिलीज 2 अक्टूबर 2026 के लिए तय मानी जा रही है, जबकि धमाल 4 में इस बार कॉमेडी के साथ बड़े स्तर का एक्शन देखने को मिलेगा। इंडस्ट्री में इसे कॉमेडी फ्रेंचाइज का अब तक का सबसे महंगा और टेक्निकली चैलेंजिंग पार्ट है।

तान्हाजी 2 पर भी प्लानिंग जारी, रोहित करेंगे सिम्बा 2 या सूर्यवंशी 2 पर फोकस

गोलमाल 5 की रिलीज के बाद रोहित शेट्टी का पूरा फोकस अपने बहुचर्चित कॉप यूनिवर्स के अगले चैप्टर पर होगा। चर्चा है कि 2027 में सिम्बा या सूर्यवंशी के अगले भाग पर काम शुरू हो सकता है। वहीं अजय भी अपनी ऐतिहासिक फिल्म तान्हाजी 2 को लेकर शुरुआती स्तर पर प्लानिंग कर रहे हैं। इसका पहला पार्ट ओम राउत ने निर्देशित किया था। फिलहाल यह साफ नहीं है कि इस बार भी ओम ही निर्देशन करेंगे या नहीं।

कोहरा 2 में दिखाई देंगी मोना सिंह

कोहरा की अपार सफलता के बाद अब इसका दूसरा सीजन कोहरा 2 दर्शकों के लिए आ रहा है। मेकर्स ने हाल ही में इसकी ओटीटी रिलीज डेट की घोषणा की है। सीरीज 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। यह सीरीज केवल नेटफ्लिक्स पर ही उपलब्ध होगी। इस बार सीरीज में नया ट्विस्ट है। पहली बार दर्शकों ने बरुण सोबती को असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर अमरपाल गरुंडी के किरदार में देखा था। अब वे फिर से अपने किरदार में लौट रहे हैं। उनके साथ इस सीजन में मोना सिंह नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका में दिखाई देंगी। नया पोस्टर भी साझा किया। पोस्टर के कैप्शन में आइए इस नए शहर में सच को ढूंढें। इसके साथ मेकर्स ने कोहरा 2 का लिखा है... धुंध में सच खो जाता है।

नयनतारा ने की मर्दानी 3 के ट्रेलर की तारीफ

रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म मर्दानी 3 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। फिल्म के ट्रेलर को साउथ की मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा ने देखा है और इसकी तारीफ की है। उन्होंने इसका ट्रेलर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी शेयर किया है। मर्दानी 3 के ट्रेलर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए नयनतारा ने लिखा सिर्फ एक ही रानी है, वह है रानी मुखर्जी। यह ट्रेलर वाकई आग लगाने वाला है। आपकी तरह कोई नहीं है। मैं इस फिल्म का इंतजार कर रही हूं। इसके साथ उन्होंने दिल और फायर वाला इमोजी बनाया है।

कैसा है मर्दानी 3 का ट्रेलर?

फिल्म मर्दानी 3 रानी मुखर्जी की मशहूर फिल्म सीरीज मर्दानी का तीसरा पार्ट है। इस फिल्म में रानी एक निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापस आ रही हैं। ट्रेलर में एक डार्क और सीरियस कहानी दिखाई गई है जो क्राइम, दर्द और लापता लड़कियों के बारे में है। ट्रेलर पर दर्शकों ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे बहुत भावुक और असरदार बताया है।

कब रिलीज होगी मर्दानी 3?

मर्दानी 3 में मल्लिका प्रसाद विलेन के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 और टॉक्सिक के क्लैश को लेकर किया पोस्ट

राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की तारीफ की थी। वहीं आज राम गोपाल वर्मा ने यश की फिल्म टॉक्सिक और रणवीर सिंह की धुरंधर 2 की एक ही दिन में रिलीज को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। निर्देशक ने इसे धुरोक्सिक नाम देते हुए दोनों फिल्मों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कैसा होगा दो फिल्मों का टकराव?

राम गोपाल वर्मा ने रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 और यश की फिल्म टॉक्सिक के बीच 19 मार्च 2026 को होने वाले बड़े बॉक्स ऑफिस टकराव पर अपनी राय दी है। उन्होंने एक्स पर अपनी राय शेयर की है। निर्देशक ने इसे मजेदार नाम दिया है- धुरोक्सिक। निर्देशक ने लिखा कि यह सिर्फ दो फिल्मों की रिलीज का टकराव नहीं, बल्कि यह भारतीय सिनेमा का प्रलय का दिन होगा।

कैसी होगी धुरंधर 2

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 को लेकर लिखा, धुरंधर 2 एक यथार्थवादी सिनेमा है। इसमें कहानी असली जिंदगी पर आधारित है। हिंसा इसलिए होती है क्योंकि जरूरत है, न कि सिर्फ दिखावे के लिए। हीरो एक आम इंसान है, जो वक्त आने पर गलती कर सकता है, घायल हो सकता है और हार भी सकता है। फिल्म दर्शकों को भावनाओं से जोड़ती है।

टॉक्सिक को लेकर राय

वहीं कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक को लेकर राम गोपाल वर्मा ने लिखा, यह बहुत अवास्तविक फिल्म है क्योंकि इसमें स्टाइल और कूलनेस पहले आती है और लॉजिक बाद में। हिंसा सिर्फ एटीट्यूड दिखाने के लिए है। हीरो बुलेटप्रूफ है, कभी हारता नहीं, दुनिया उसकी पूजा करती है। फिल्म दर्शकों को सिर्फ एक्साइटमेंट देना चाहती है, गहरी भावनाएं नहीं। कैमरा हीरो को भगवान जैसा दिखाने की कोशिश करता है।

19 मार्च को होगा फिल्मों का फैसला

19 मार्च को धुरंधर 2 और टॉक्सिक रिलीज के बाद कई सवालों का जवाब देंगी। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, क्या आज भी लोग अंधेरे, स्लो-मोशन में चलने वाले हीरो को पसंद करेंगे? या फिर सिर्फ तमाशा दिखाने वाली हिंसा को लोग स्वीकार करेंगे? उन्होंने आगे लिखा, दोनों फिल्में साथ देखना ऐसा होगा जैसे एक तरफ युद्ध का मैदान हो और दूसरी तरफ फैशन शूट। एक फिल्म (धुरंधर) दिल को छूती है और दूसरी (टॉक्सिक) सिर्फ कैमरे के लिए पोज देती है।

सच्चाई और स्टाइल में किसकी होगी जीत?

राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, दोनों फिल्मों के बीच जो टकराव है, वो सच्चाई और स्टाइल को लेकर है। राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, इससे शायद दक्षिण भारतीय फिल्मों वाली नायक पूजा (हीरो को भगवान बनाने की परंपरा) का अंत शुरू हो सकता है। दर्शक अब भगवान नहीं, बल्कि आम इंसान वाला हीरो चाहते हैं। या फिर उल्टा भी हो सकता है।

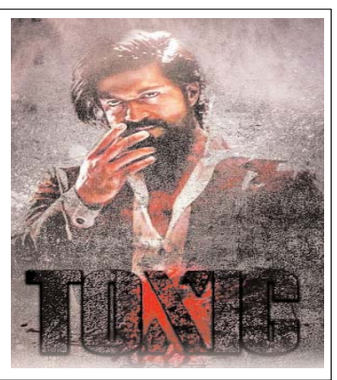

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in